राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 213 पटना (बिहार) बुधवार,04 जून 2025 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बेंगलुरु को मिला पहला आईपीएल खिताब, पंजाब 6 रन से से हारा, विराट कोहली के 43 रन

अहमदाबाद ।

आईपीएल के 18 वें सीजन में आखिरकार बेंगलुरु को खिताबी जीत मिल गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल चैलेंजर बैंगलोर ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 190 रन बनाए। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 184 रन ही बना पाई।

191 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे पंजाब के बल्लेबाज लय में नहीं दिखाई दिए। नियमित अंतराल से पंजाब के विकेट गिरते रहे। प्रियांशु आर्य ने 24, प्रभासिमरन सिंह ने 26, जोश इंग्लिश ने 39 और मार्कस्टोनिस ने 6 रन का योगदान दिया। पंजाब की तरफ से शशांक सिंह 30 गेंद में तीन चौके और छह छक्के की सहायता से 61 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन अपनी टीम को जिता नहीं पाए। पंजाब की टीम 6 रन से मैच हार गई। बेंगलुरु के लिए भुवनेश्वर कुमार और कुणाल पांड्या ने दो-दो विकेट लिए। यश दयाल, जोश हेजलवुड और शेफर्ड को एक-एक विकेट मिले। कुणाल पांड्या ने सबसे किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने 4.25 के एवरेज से रन दिए।

इससे पहले टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाए गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजों ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। एक समय लग रहा था कि यह फाइटिंग स्कोर नहीं है। बेंगलुरु की तरफ से विराट कोहली ने 35 गेंद में तीन चौके की सहायता से 43 रन बनाए। रजत पाटीदार ने 26, लियांग लिविंगस्टोन ने 25, जितेश शर्मा ने 24 और मयंक अग्रवाल ने 24 रन का योगदान दिया। निचले क्रम में शेफर्ड ने नौ गेंद में 17 रन की तेज पारी खेली। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह, काइल जेमीसन ने तीन-तीन विकेट लिए। युजवेंद्र चहल, विजय कुमार और अजमतुल्लाह ओमरजा को एक-एक विकेट मिले।

मुजफ्फरपुर की घटना से आहत भाजपा नेता ने पार्टी से दिया इस्तीफा, कांग्रेस का दामन थामा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : मुजफ्फरपुर में मासूम के साथ बलात्कार की घटना हुई थी. उसके बाद इलाज के दौरान बच्ची ने पीएमसीएच में दम तोड़ दिया. आरोप है कि पीड़िता का इलाज ठीक तरीके से पीएमसीएच में नहीं हुआ, जिसके चलते मासूम ने दम तोड़ दिया. घटना को लेकर भाजपा से एक नेता ने इस्तीफा भी दे दिया है. संजय जायसवाल ने जताई थी चिंता : दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के नेता असित नाथ तिवारी ने घटना को लेकर सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किया था. असित नाथ तिवारी ने भाजपा सांसद संजय जायसवाल के पोस्ट को भी साझा किया था. दबाव बढ़ने के बाद संजय जायसवाल ने पोस्ट को डिलीट कर दिया, लेकिन असित नाथ पोस्ट को डिलीट नहीं करने पर अड़े थे. जिसके बाद पार्टी की ओर से उनपर दबाव बनाया जाने लगा. भाजपा नेता ने पार्टी से दिया इस्तीफा : मुजफ्फरपुर की घटना से आहत होकर आखिरकार असित नाथ तिवारी ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस का दामन थाम लिया. असित नाथ तिवारी ने कहा कि भाजपा बेहद संवेदनशील पार्टी है. पार्टी का एक सामान्य नेता भी पीएमसीएच में अगर फोन कर दिया होता तो उस बच्ची की जान बच सकती थी. तमाम नेता फेसबुक और व्हाट्सएप चलाने में व्यस्त थे किसी ने बच्ची को लेकर पहल नहीं की. "पार्टी ने दबाव बनाया तो संजय जायसवाल ने 10 मिनट के अंदर अपना पोस्ट डिलीट कर लिया. मैं दागो और भागो वाला आदमी नहीं हूं, मैं टिकता हूं. मुझे कहा गया डिलीट कीजिए, मैंने कहा नहीं करूंगा और अंततः मुझे उस पार्टी से इस्तीफा देना पड़ा."- असित नाथ तिवारी, कांग्रेस नेता कांग्रेस ने की न्यायिक जांच की मांग : इधर, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने राज्य सरकार पर हमला बोला. राजेश राम ने कहा कि सरकार ने जो घोषणा की है वह दिखावा मात्र है. मैं बिहार सरकार से मांग करता हूं कि पूरे घटनाक्रम की न्यायिक जांच कराई जाए. अगर न्यायिक जांच संभव ना हो तो विधानसभा की सर्वदलीय समिति बनाई जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए. दुष्कर्म और हत्या का मामला : बता दें कि 26 मई को मुजफ्फरपुर में 9 साल की दलित नाबालिंग लड़की से बलात्कार हुआ था. आरोपी ने उसके गर्दन और पेट पर चाकू से कई बार वार किया था. जिसके एक सप्ताह बाद बच्ची की जान चली गई. पीड़िता की मां ने आरोप लगाया था कि जब वह बेटी को एमकेएमसीएच से पीएमसीएच ले गई तो वहां 3-4 घंटे तक उसे बेड नहीं मिला. एंबुलेंस में हालत ज्यादा बिगड़ गई जिसके कारण मौत हो गई.

दलित बच्ची से दुष्कर्म और PMCH की लापरवाही पर मंगल पांडे ने तोड़ी चुप्पी

संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुरः मुजफ्फरपुर में मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद बिहार में बवाल खड़ा हो गया है. विपक्ष और पक्ष दोनों ओर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं. स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने पूरे घटनाक्रम पर चिंता जाहिर की है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने तीन सदस्य जांच कमेटी घटना की जांच करेगी. दोषियों के खिलाफ स्पीडी ट्रायलः स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि मैं पटना से बाहर था और आने के बाद मुझे जानकारी दी गई. मैंने उच्च अधिकारियों के साथ विमर्श किया और विभाग ने यह फैसला लिया की तीन डायरेक्टर इन चीफ की कमेटी गठित की जाए. आरोपी की गिरफ्तारी भी हुई और 15 दिनों के भीतर स्पीडी ट्रायल चलाकर जल्द से जल्द से सजा दिलाई जाएगी.

तीनों डायरेक्टर इन चीफ घटनास्थल की जांच करेंगे और सरकार को रिपोर्ट देंगे. रिपोर्ट आने के बाद सरकार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे. जहां तक सवाल प्रशासन का है तो प्रशासन में अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है.₹ - मंगल पांडे, स्वास्थ्य मंत्री घटना काफी दुखदः मंगल पांडे ने कहा कि मुजफ्फरपुर दुष्कर्म पीड़िता बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसके बाद मौत की घटना काफी दुखद है. मासूम के साथ बलात्कार की घटना ने सभ्य समाज को कलंकित किया है. उन्होने पीएमसीएच में लापरवाही वाले मामले पर कहा कि बच्ची को घटना के बाद पहले मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच लाया गया था जहां पहले उपचार किया गया. इसके बाद फिर पीएमसीएच लाया गया.

बिहार की राजनीति गरमः मुजफ्फरपुर में दलित लड़की के दुष्कर्म और हत्या के मामले में पीएमसीएच की संवेदनशीलता और लापरवाही सामने आने के बाद बिहार की राजनीति गर्म हो

उठी है. राहुल गांधी और उपेंद्र कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर मुद्दा उठाया तो यह मामला और भी सुर्खियों में आ गया. राहुल गांधी ने भी इसको लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट किया था. उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग बेटी के साथ दरिंदगी और फिर इलाज में हुई लापरवाही बेहद शर्मनाक है. कांग्रेस पार्टी ने जमकर किया हंगामाः पीड़िता को जब पीएमसीएच अस्पताल लाया गया तो उसे भर्ती करने में घंटों लग गए और इलाज के अभाव में मासूम ने दम तोड़ दिया. मासूम की मौत के बाद बिहार में बवाल खड़ा हो गया. कांग्रेस पार्टी ने बिहार सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और इलाज के दौरान हुई लापरवाही को मुद्दा बनाया पार्टी नेताओं ने इनकम टैक्स गोलंबर पर प्रदर्शन भी किये.

उपेंद्र कुशवाहा ने किया पोस्टः बता दें कि राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से संज्ञान लेने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है. अपने पोस्ट में उपेंद्र कुशवाहा ने लिखा, आपके नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से बिहार का कोई कोना अछूता नहीं है.

महागठबंधन के साथ चुनाव क्यों लड़ना चाहते हैं ओवैसी? एआईएमआईएम ने बदली रणनीति

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार की सियासत एक बार फिर करवट ले रही है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सीमांचल में राजद (आरजेडी) को तगड़ा झटका देने वाली असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (AIMIM) अब उन्हीं के साथ गठबंधन की तैयारी में है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने एक निजी न्यूज चैनल से बात करते हुए इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा है कि सांप्रदायिक ताकतों को सत्ता से दूर रखने के लिए एक बड़े गठबंधन की जरूरत है। इसी सोच के तहत एआईएमआईएम ने राजद और कांग्रेस से बातचीत शुरू की है। हालांकि अंतिम फैसला राजद और कांग्रेस को ही लेना है। सीमांचल में एआईएमआईएम का प्रभाव रहा है मजबूत :बिहार के सीमांचल क्षेत्र की 24 सीटों में से अधिकांश पर मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है। 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने इस क्षेत्र में 20 सीटों पर चुनाव लड़ा और 5 पर जीत दर्ज की थी। अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जैसे जिलों में पार्टी का अच्छा प्रभाव रहा है। लेकिन ओवैसी की पार्टी के मैदान में उतरने से राजद और कांग्रेस को नुकसान हुआ था और कई सीटें एनडीए के खाते में चली गई थीं।

एआईएमआईएम को भी लग चुका है झटका :हालांकि, चुनाव के बाद एआईएमआईएम को भी नुकसान झेलना पड़ा। उनके पांच में से चार विधायक मुहम्मद इजहार असफी, शाहनवाज आलम, सैयद रुकनुद्दीन और अजहर नईमी राजद में शामिल हो गए। इस समय अख्तरुल ईमान (अमौर) पार्टी के इकलौते विधायक हैं और वे ही प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

50 सीटों की तैयारी से महागठबंधन तक :हाल ही में ओवैसी ने बिहार का दौरा किया था और 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। लेकिन अब यदि एआईएमआईएम महागठबंधन में शामिल होती है, तो पार्टी कम सीटों पर भी चुनाव लड़ने को तैयार हो सकती है। इससे एनडीए की मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि महागठबंधन और एआईएमआईएम साथ मिलकर एक बड़ा वोटबैंक खड़ा कर सकते हैं। फैसला अब राजद और कांग्रेस के हाथ में :अख्तरुल ईमान ने साफ कहा कि बिहार में सांप्रदायिक ताकतों को सत्ता से दूर रखने के लिए उन्होंने पहल की है, लेकिन अंतिम निर्णय राजद और कांग्रेस को ही लेना है। अगर यह गठबंधन बनता है तो बिहार की राजनीतिक फिजा में बड़ा बदलाव देखने

एंटी नक्सल ऑपरेशन में बाल-बाल बचा हार्डकोर माओवादी

क्राइम संवाददाता द्वारा

मगध-गया :नक्सल प्रभावित औरंगाबाद जिले में माओवादियों के सफाए के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हालांकि हार्डकोर माओवादी अखिलेश सिंह भोक्ता बाल-बाल बच निकला, लेकिन सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद कर नक्सलियों की साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से जंगलों में चार शक्तिशाली प्रेशर आईईडी बम प्लांट किए थे, जिन्हें मौके पर ही निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया गया। औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने मंगलवार शाम जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए औरंगाबाद पुलिस एवं बिहार स्पेशल टास्क फोर्स

(एसटीएफ) की संयुक्त टीम द्वारा लगातार एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को खुफिया इनपुट मिला कि हार्डकोर नक्सली अखिलेश सिंह भोक्ता मदनपुर प्रखंड के सुदूरवर्ती छकरबंधा और गोबरदाहा के पहाड़ी इलाके में किसी खास मकसद से घूम रहा है। सूचना की पुष्टि और कार्रवाई के लिए पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने छकरबंधा, गोबरदाहा और देव प्रखंड के शिवसागर क्षेत्र के जंगलों और पहाड़ियों में कई जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान नक्सली अखिलेश सिंह पुलिस के हाथ लगते-लगते बच निकला। हालांकि सर्च ऑपरेशन के दौरान टीम को शिवसागर के जंगल और पहाड़ी इलाके से चार जिंदा प्रेशर आईईडी बम मिले। इनमें तीन केन आईईडी और एक प्रेशर आईईडी शामिल था। सभी बम करीब एक-एक किलोग्राम वजनी और अत्यंत शक्तिशाली थे। पुलिस को बमों के साथ आईईडी वायर और बैटरी भी मिली है। बरामद आईईडी बमों को मौके पर ही बम निरोधक दस्ते ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। पुलिस का कहना है कि अगर समय रहते यह विस्फोटक नहीं मिलते, तो यह सुरक्षा बलों और आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकते थे। एसपी अम्बरीष राहुल ने कहा कि पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई से नक्सलियों का मनोबल लगातार गिर रहा है। क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों को रोकने के लिए छापेमारी और ऑपरेशन लगातार जारी रहेंगे।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांडः पीड़िता के परिजनों से मिले तेजस्वी यादव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर :कुढ़नी प्रखंड में दुष्कर्म पीड़िता की मौत के बाद मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान राजद के कई विधायक और वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। तेजस्वी यादव ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी राज्य सरकार और उसके मंत्री अब तक मौन हैं। उन्होंने बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मंत्री को पीड़ित परिवार से मिलने की जरूरत तक महसूस नहीं हुई। अगर वे मौके पर जाकर परिजनों से बात करते तो घटनास्थल पर हुई लापरवाही और कमियों की जानकारी मिल सकती थी। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। हर दिन दुष्कर्म और अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार केवल कमेटी बनाकर खानापूर्ति कर रही है। अपराधियों के दिलों में पुलिस का कोई खौफ नहीं बचा है, इसी वजह से उनका मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने लगभग आधे घंटे तक पीड़ित परिवार के साथ समय बिताया और घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस मामले में पीड़ित परिवार को हर संभव न्याय दिलाया जाएगा और राजद उनकी लड़ाई में उनके साथ खड़ा रहेगा। इस मौके पर राजद विधायक राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव (मीनापुर), इस्त्राइल मंसूरी (कांटी), निरंजन राय (गायघाट) और एमएलसी कारी सुहैब समेत दर्जनों राजद नेता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री के आगमन से पहले मॉडल अस्पताल को साफ करने का काम

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुंगेर :राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे 4 जून की शाम मुंगेर पहुंचने वाले हैं। इस दौरान वे मुंगेर सदर अस्पताल का निरीक्षण करेंगे और 5 जून को अस्पताल परिसर में बने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करेंगे। मंत्री के आगमन को लेकर अस्पताल प्रशासन नवनिर्मित मॉडल अस्पताल की ओपीडी और अन्य विभागों को सुसज्जित और क्रियाशील बनाने में जुट गया है। अस्पताल परिसर में सोमवार को व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की तैयारियां जोरों पर रहीं। अस्पताल के मैनेजर मो. तौसीफ हसनैन, डाटा एंट्री ऑपरेटर के साथ विभिन्न कमरों में कुर्सियां, टेबल आदि लगवाते देखे गए। वहीं, रजिस्ट्रेशन काउंटर को अस्पताल कर्मी सुव्यवस्थित करने में लगे रहे। ओपीडी सहित सभी विभागों में मरीजों के बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में कुर्सियां लगाई जा रही हैं। हालांकि, इस संबंध में पूछे जाने पर अस्पताल मैनेजर मो. तौसीफ हसनैन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। देर शाम तक अस्पताल परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित करने की कोशिशें जारी रहीं।

इस संबंध में प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. ध्रुव कुमार ने बताया कि कि 4 जून को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे मुंगेर आएंगे। इस दौरान वे सदर अस्पताल का निरीक्षण करेंगे और रात्रि विश्राम जिला अतिथि गृह में करेंगे। 5 जून को अस्पताल परिसर में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया जाएगा। तैयारियां पूरी कर

ली गई हैं।

बता दें कि मुंगेर मॉडल अस्पताल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में प्रगति यात्रा के दौरान किया था। लगभग 32 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से बने इस 100-बेड वाले अत्याधुनिक अस्पताल में एक माह पूर्व आपातकालीन सेवा तो शुरू कर दी गई थी, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण ओपीडी और अन्य विभागों की सेवाएं अब तक शुरू नहीं हो सकी थीं। प्रभारी सिविल सर्जन के अनुसार, अस्पताल को निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा तीन दिन पूर्व हैंडओवर कर दिया गया है। अब अस्पताल को पूरी तरह चालू करने की कवायद तेज कर दी गई है।

एनडीएमसी ने जागरूकता के लिए रिसाइकिल मेला एक्शन किट, बुकलेट और पोस्टर लॉन्च किए

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने व्हाई वेस्ट वेडनसडे फाउंडेशन के साथ मिलकर रिसाइक्लिंग को आगे बढ़ाने जागरूकता से कार्रवाई तक थीम के तहत शुरुआत की। इस रिसाइकिल मेला श्रृंखला के तहत एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने एनडीएमसी के सचिव तारिक थॉमस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में रिसाइकिल मेला कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केशव चंद्रा ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण में सबसे पहला चेहरा हमारे स्वच्छता सेवकों का है, जो इस क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए दिन-रात मेहनत से काम करते हैं। आजकल एनडीएमसी चार कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जिसमें स्वच्छता, हरियाली, सड़कों और फुटपाथों का रखरखाव और अतिक्रमण मुक्त सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। स्वास्थ्य, बागवानी, सिविल और प्रवर्तन विभाग की एक पूरी टीम बनाई गई है, जो रोजाना सुबह और शाम इन चारों कार्यों पर समन्वय से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी के इन विभागों की टीम पूरी लगन और उत्साह के साथ सक्रिय रूप से मैदान में उतरी हुई है जिसका रुझान और परिणाम नई दिल्ली क्षेत्र में देखे जा सकते है। एनएमडीसी की टीम का आह्वान करते हुए चंद्रा ने कहा कि हमें हर दिन पूरे जोश और समर्पण के साथ काम करना होगा, ताकि एनडीएमसी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक राजधानी की तरह स्वच्छता और हरियाली का एक सुंदर शहर बन सके।

सिरफिरे आशिक ने युवती की चाकू घोंपकर हत्या की, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के महरौली इलाके में एक सिरफिरे आशिक ने 18 वर्षीय युवती की चाकू से घोंपकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित ने युवती के शव को जलाने की भी कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सका। हत्या के करीब 22 घंटे बाद पुलिस ने युवती का शव महरौली स्थित संजय वन से बरामद किया है। शव मिलने के बाद दो जिलों की पुलिस सीमा विवाद में उलझ गई। करीब दो घंटे तक चले सीमा विवाद के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने दखल दिया और दक्षिण दिल्ली के महरौली थाने में हत्या और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 18 वर्षीय महक जैन परिवार के साथ जहांगीरपुरी इलाके में रहती थी। परिवार में माता-पिता के अलावा एक बड़ी बहन है, जो निजी कंपनी में नौकरी करती है और नोएडा में रहती है। पिता राकेश चांदनी चौक स्थित एक कपड़े की दुकान पर नौकरी करते हैं। परिवार मूलतः उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला है। महक जैन दिल्ली विश्वविद्यालय के ओपन से प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। वह अपनी क्लास लेने के लिए विवेक विहार स्थित विवेकानंद कॉलेज जाती थी।

चांदनी चौक इलाके में फायरिंग कर दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान से 35 लाख लूटे

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के चांदनी चौक इलाके में एक ज्वेलरी दुकान पर दिनदहाड़े बदमाशों ने फायरिंग की और ज्वेलरी दुकान से 35 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए। दुकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। पुलिस बदमाशों को तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार चांदनी चौक के कटरा नील के सामने ज्वेलरी की दुकान है। दोपहर के समय दुकान पर अचानक फायरिंग होने लगी। इसी बीच कुछ बदमाश ज्वेलरी दुकान में घुस गए और डरा धमका कर शोरूम के कैशियर विक्की जैन से 35 लाख रुपये लूटकर साथियों के साथ फरार हो गए। लूट की वारदात के बाद दुकान मालिक ने आनन-फानन में पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल व पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 14.30 बजे कटरा नील, चांदनी चौक में लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल थाना लाहौरी गेट में प्राप्त हुई। मौके पर मौजूद दुकान के कैशियर विक्की जैन (40) ने घटना की जानकारी दी। जांच के दौरान विक्की के ऑफिस का दरवाजा टूटा पाया गया। विक्की जैन ने बताया कि दो व्यक्ति उसके ऑफिस में आए और कांच के दरवाजे पर गोली चलाकर करीब 35 लाख रुपये लूट ले लिए। इस दौरान उनके साथ एक और शख्स था, जो सीढ़ियों से नीचे खड़ा था।

युवक की गोली मारकर हत्या, पहचान छिपाने के लिए जलाने का किया प्रयास

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर थाना क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, फिर आरोपितों ने शव को जलाने की भी कोशिश की। सड़क के किनारे झाड़ियों में अर्द्धजली लाश देखकर लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार देर रात तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों का पता लगाने में जुट गई। इसके अलावा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से भी पुलिस आरोपितों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक युवक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

अमित शाह की अध्यक्षता में अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित सहकारिता मंत्रालय में सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोल के अलावा सहकारिता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), नाबार्ड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) सहित अन्य संगठनों के अधिकारी उपस्थित थे। अमित शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक प्रगति को मापने के दो प्रमुख मापदंड हैं, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और रोजगार सृजन। अन्न भंडारण योजना इन दोनों पहलुओं को सशक्त बनाने का माध्यम है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार के अवसरों को सृजित करना है। शाह ने कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत ऋण अवधि के विस्तार से पीएसीएस की वित्तीय स्थिति में सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने अन्न भंडारण योजना में पीएसीएस की व्यापक भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि यह जरूरी है कि पीएसीएस को इस योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए ताकि उनकी वित्तीय व्यवहार्यता और सामाजिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने एफसीआई, एनसीसीएफ, नेफेड और राज्य वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशनों को पीएसीएस को अधिक से अधिक गोदामों से जोड़ने के लिए ठोस दिशा-निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्यों को अपने स्तर पर अधिक से अधिक पीएसीएस को इस योजना में शामिल करना चाहिए और राज्य स्तरीय मार्केटिंग फेडरेशनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए, ताकि एक संपूर्ण सहकारी आपूर्ति श्रृंखला विकसित की जा सके।

नीट पीजी की 15 जून को होने वाली परीक्षा स्थगित, अब एक ही शिफ्ट में होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट पीजी 2025 की परीक्षा स्थगित कर दी है। नीट पीजी की परीक्षा पहले 15 जून के लिए निर्धारित थी। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लिया गया है। पिछले सप्ताह एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्राधिकरण से एमबीबीएस और डेंटल कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए दो के बजाय एक ही पाली में परीक्षा आयोजित करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए एनबीईएमएस ने घोषणा की कि अब नीट-पीजी 2025 एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। इस निर्णय के लिए लॉजिस्टिक समायोजन की आवश्यकता है, विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाने और सभी उम्मीदवारों को एक साथ समायोजित करने के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए आवश्यक है। एक आधिकारिक अधिसूचना में एनबीईई ने कहा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने डब्ल्यू.पी. संख्या 456/2025 में

आदेश दिया है कि- हम, तदनुसार, प्रतिवादियों को एक शिफ्ट में नीट-पीजी 2025 परीक्षा आयोजित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि पूरी पारदर्शिता बनी रहे और सुरक्षित केंद्रों की पहचान की जाए और उन्हें चालू किया जाए। इसके अनुसार एनबीईएमएस एक ही शिफ्ट में नीट-पीजी 2025 आयोजित करेगा।

एमसीडी वार्ड कमेटी चुनाव में आम आदमी पार्टी का दबदबा, चार जोनों पर किया कब्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की वार्ड कमेटियों के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच में से चार जोनों पर कब्जा बरकरार रखा है। पार्टी ने हुए चुनाव में सिटी एसपी, करोल बाग और वेस्ट जोन में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर जीत हासिल की, जबकि रोहिणी जोन में अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 15 पार्षदों के पार्टी छोड़ने और भाजपा के समर्थन से नया गुट बनाने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने चार जोनों पर अपना दबदबा कायम रखा है। उन्होंने कहा, भाजपा का समर्थन मिलने के बाद भी नया गुट एक भी जोन में जीत नहीं सका। यह पार्टी की एकजुटता और जनता के विश्वास की जीत है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सिटी एसपी जोन में आम आदमी पार्टी को भाजपा के दो पार्षदों का समर्थन भी मिला, जबकि खुद पार्टी

पार्षदों ने कोई क्रॉस वोटिंग नहीं की। सिटी एसपी जोन में स्थायी समिति सदस्य का चुनाव भी 'आप' ने जीत लिया। सिविक सेंटर में हुए इन चुनावों में आम आदमी पार्टी जिन जोनों में बहुमत था, वहां पूरी रणनीति और ताकत के साथ चुनाव लड़ा। परिणामस्वरूप, पार्टी को जीत भी हासिल हुई।आप उम्मीदवारों में सिटी एसपी जोन में अध्यक्ष पद पर विकास टांक, उपाध्यक्ष पर पूजा और स्थायी समिति सदस्य के रूप में राफिया माहिर विजयी रहे। करोल बाग जोन में अध्यक्ष पद पर पुनीत राय और उपाध्यक्ष पर कविता चौहान का कब्जा रहा। वेस्ट जोन में अध्यक्ष पद पर निर्मला कुमारी और उपाध्यक्ष पर साहिल गंगवाल विजयी हुए। रोहिणी जोन में अध्यक्ष पद पर अमृत जैन को जीत मिली। एमसीडी में आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत पार्टी के सभी निगम पार्षदों की मेहनत और एकजुटता का परिणाम है। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी दिल्ली विधानसभा की तरह एमसीडी में भी एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी और जनता की आवाज को हर मंच पर उठाएगी।

मेरी विधानसभा में डीडीए लोगों के आशियाना उजाड़ना चाहता है : अमानतुल्लाह खान

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के ओखला विधानसभा के अंतर्गत बाटला हाउस, जामिया में डीडीए की ओर से बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने डीडीए की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि इस मामले में फिलहाल कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। जुलाई माह में इस मामले को लेकर सुनवाई हो सकती है।

इस मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान ने कहा कि आशियाना बनाने में जमाने लग जाते हैं और डीडीए उसे उजाड़ने के लिए सामने आ जाता है। आज हमें सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है कि जुलाई के पहले सप्ताह में जब भी कोर्ट खुलेगा, इस मामले की सुनवाई नियमित बेंच द्वारा की जाएगी, तब तक, जिन लोगों पर विध्वंस का खतरा मंडरा रहा है, उन्हें पीएम-उदय या किसी भी लागू योजना के तहत राहत लेने और तदनुसार अपने व्यक्तिगत आवेदन

प्रस्तुत करने की सलाह दी गई है। अधिवक्ता अदील अहमद ने बताया कि यहां मुख्य मुद्दा यह है कि खसरा नंबर 279 के तहत जिन लोगों को नोटिस मिले हैं, उन्हें जवाब देने के लिए 15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय, नोटिस में सीधे उनसे जमीन खाली करने को कहा गया। हमने इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई चल रही नियमित सुनवाई के हिस्से के रूप में की जाएगी।

बाटला हाउस में यूपी सिंचाई विभाग की जमीनों पर कई अवैध दुकानों को नोटिस भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, डीडीए की ओर से 26 मई को नोटिस जारी हुआ था। नोटिस में लोगों को जगह खाली करने के लिए निर्देश दिए गए थे। लेकिन, नोटिस के जवाब में लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

लोगों का कहना है कि एक झटके में निकालने की साजिश रची जा रही है। जबकि, नोटिस में कम से कम 15 दिन का समय देना चाहिए था।

चार देशों के दौरे से लौटा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का पहला ग्रुप, 'आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस' का दिया संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर बेनकाब करने के लिए गठित सर्वदलीय संसदीय डेलीगेशन का पहला ग्रुप अपने चार देशों के सफल दौरे का समापन कर चुका है। डेलीगेशन ने बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया का सफल दौरा किया।

इस प्रतिनिधिमंडल ने भारत की विदेश नीति की नई दिशा को रेखांकित करते हुए आतंकवाद के प्रति भारत के 'जीरो टॉलरेंस' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'न्यू नॉर्मल' का स्पष्ट और प्रभावी संदेश इन देशों तक पहुंचाया। इस प्रतिनिधिमंडल ने भिन्न-भिन्न राजनीतिक और धार्मिक पृष्ठभूमियों के बावजूद एक स्वर में भारत की प्राथमिकताओं को सामने रखा, जिससे भारत की 'इंडिया फर्स्ट' नीति की गूंज चारों देशों में सुनाई दी। इस प्रतिनिधिमंडल के ग्रुप का नेतृत्व वरिष्ठ सांसद बैजयंत जय

पांडा ने किया। डेलीगेशन में उनके साथ असदुद्दीन ओवैसी, गुलाम नबी आजाद, डॉ. निशिकांत दुबे, सतनाम सिंह संधू, एस फांगनॉन कोन्याक और रेखा शर्मा जैसे विभिन्न दलों और क्षेत्रों से आए सांसदों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूर्व विदेश सचिव और अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में भारत के राजदूत रह चुके तथा जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक हर्षवर्धन श्रृंगला ने इस सफल दौरे को लेकर जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ऑल-पार्टी संसदीय प्रतिनिधिमंडल के ग्रुप-वन ने आज अपने चार देशों (बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया) के दौरे का समापन किया। इसने सफलतापूर्वक भारत का आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहनशीलता' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नए सामान्य' का संदेश पहुंचाया। यह एक राजनीतिक, भाषाई और आध्यात्मिक रूप से विविध समूह था, जिसने 'इंडिया फर्स्ट' की भावना में एक स्वर में बात की। धन्यवाद सभी नेताओं को। भारत का यह कूटनीतिक अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले, भारत के निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' और इसके बाद के घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता बनाना है।

भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार भारी बारिश से प्रभावित लोगों की मदद का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बीते कुछ दिनें से भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 34 लोगों की जान जा चुकी है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चिंता जताई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट करके कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए गहरी चिंता है। उन्होंने भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को जारी दिशा-निर्देशों में हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। इसके साथ उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में सभी से आवश्यक सावधानी बरतने, अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बीते कुछ दिनें से भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 34 लोगों जान जा चुकी है।

वहीं, बड़ी संख्या में लोग जख्मी भी हुए है, जिनका इलाज चल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 लोगों की मौत हुई है। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए पांच जून तक बारिश की चेतावनी जारी की है।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 4 हजार के करीब, 24 घंटे में 6 मौतें, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर कोरोना वायरस चिंता बढ़ा रहा है। बीते कुछ दिनों में संक्रमण के मामलों में तेज़ उछाल देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 3976 हो चुकी है। महज 10 दिनों में संक्रमितों की संख्या में 15 गुना इजाफा हुआ है, जो एक गंभीर संकेत है। केरल इस वक्त सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां 1435 एक्टिव केस दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र में भी हालात चिंताजनक हैं, जहां 506 मरीज अभी इलाजरत हैं। इसके अलावा कर्नाटक में भी मामले तेजी से सामने आ रहे हैं, यहां 238 एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटों में 6 लोगों की मौत कोरोना से हो चुकी है, जिससे इस लहर में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 34 हो गई है। अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती युवती और 47 वर्षीय महिला की मौत हो गई। रविवार को दिल्ली में 22 साल की युवती और तमिलनाडु में 25 साल का युवक इस वायरस का शिकार हो गया था।

कोरोना के दोबारा फैलाव को

देखते हुए राज्य सरकारें भी हरकत में आ गई हैं। कर्नाटक सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनें, सामाजिक दूरी बनाए रखें और स्वच्छता का पालन करें। बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क है और सभी राज्यों की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि कोविड के पिछले दौर के दौरान तैयार किए गए ऑक्सीजन प्लांट, ढ्रष्ट बेड, और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की पुनः समीक्षा की जा चुकी है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है।

असम की 'पुश बैक' नीति पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार, गुवाहाटी हाईकोर्ट जाने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार की 'पुश बैक' नीति के तहत 69 लोगों को बांग्लादेश वापस भेजे जाने की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को गुवाहाटी हाईकोर्ट में याचिका दायर करने का निर्देश दिया है। यह याचिका ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन ने दायर की थी, जिसमें असम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि असम सरकार बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के लोगों को विदेशी नागरिक मानकर हिरासत में ले रही है और उन्हें बांग्लादेश सीमा के पार भेज रही है।खासकर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले गरीब और वंचित भारतीय नागरिकों को बिना किसी जांच या सुनवाई के जबरन हिरासत में लिया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि कई बार भारतीय नागरिकों को भी गलती से विदेशी समझकर सीमा पार भेजा जा रहा है, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि सरकार को निर्देश दिए जाएं कि किसी को विदेशी नागरिक घोषित करने से पहले फॉरेन ट्रिब्यूनल द्वारा उचित सुनवाई की जाए। साथ ही, अपील का मौका देने और विदेश मंत्रालय से नागरिकता की पुष्टि होने तक किसी को भी सीमा पार न भेजा जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि असम सरकार की 'पुश बैक' नीति के तहत की जा रही कार्रवाई पारदर्शी नहीं हैं और इससे कई निर्दोष लोग प्रभावित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में ले जाने का निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता वहां अपनी बात रख सकते हैं। कोर्ट ने इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने से मना कर दिया, जिससे याचिकाकर्ताओं को अब हाईकोर्ट में अपनी मांगें उठानी होंगी।

दिल्ली में भक्त कवि जयदेव की विरासत और गीत गोविंद का जश्न

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन एंड रिसर्च ऑन ओडिशा कल्चर एंड हेरिटेज (आईपीआरओसीएच) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह में 12वीं शताब्दी के संत-कवि भक्त कवि जयदेव की विरासत और गीत गोविंद का जश्न मनाया गया। इस समारोह में नृत्य, संगीत, शास्त्रीय ओडिसी बैले, फिल्म और विद्वानों की बातचीत जैसे कार्यक्रमों का एक चयनात्मक मिश्रण था।

गीत गोविंद पर आधारित ओडिसी नृत्य नाटिका

समारोह का भावनात्मक केंद्र बिंदु ओडिसी नृत्य नाटिका मनीनी राधिका था, जिसे गुरु शेरोन लोवेन ने नृत्य निर्देशित और निर्देशित किया था। इस नृत्य नाटिका में विश्वनाथ मंगराज और निशा नंदा ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। यह नृत्य नाटिका गीत गोविंद के मन भंजन अध्याय से अनुकूलित थी और इसमें राधा के कोमल क्रोध और कृष्ण के प्रार्थना को दर्शाया गया था।

संगीत और नृत्य प्रदर्शन

समारोह में दूरदर्शन के वाह उस्ताद शो के विजेता संदीप मोहंती द्वारा गायन और विश्वजीत मोहापात्रा द्वारा एकल बांसुरी प्रदर्शन भी शामिल

था। पहले दिन की शुरुआत जयदेव पर लिखे गए शब्द कीर्तन के साथ हुई, जिसमें भक्त जयदेव के सिख गुरुओं पर प्रभाव और गुरु ग्रंथ साहिब में उनके उल्लेख पर चर्चा की गई। अष्टपदी गीतों को वोकलिस्ट सुरेश सेठी और नाजिया आलम ने प्रस्तुत किया। इसके बाद ओडिसी, कथक और विलासिनी नाट्यम में शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शनों की एक शानदार श्रृंखला थी। प्रसिद्ध कलाकारों रीत राजगुरु, कविता द्विवेदी, पूर्वाधनश्री और विद्या लाल ने जयदेव की भक्ति कविता और सूफी रहस्यवाद के बीच साझा अनुनाद का अन्वेषण किया।समारोह का समापन 1987 की क्लासिक ओडिया फिल्म जयदेव के प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें कवि के जीवन और आध्यात्मिक यात्रा को सिनेमाई श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार चुगुली कुमार साहू द्वारा नबागुंजर की 7 फीट की फाइबरग्लास मूर्ति की स्थापना भी की गई, जो कृष्ण के विश्व रूप का प्रतीक है।

एनसीईआरटी ने 5 लाख से अधिक नकली पाठ्य पुस्तकों सहित 20 करोड़ रुपए की मशीनरी जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने नकली पाठ्य पुस्तकों के निर्माण, वितरण और बिक्री में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। पिछले 14 महीनों में, एनसीईआरटी ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर 5 लाख से अधिक नकली पाठ्य पुस्तकें, बड़ी मात्रा में मुद्रण कागज और 20 करोड़ रुपये से अधिक की मशीनरी जब्त की है, जबकि 29 एफआईआर दर्ज की गई हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर मुजफ्फरनगर के एक गोदाम पर छापेमारी कर 1.5 लाख नकली पाठ्य पुस्तकें जब्त की गईं, जिसकी कीमत 2 करोड़ रुपये से अधिक है। एक ट्रक और दो कारें भी जब्त की गईं, जिनमें नकली पाठ्य पुस्तकें भरी हुई थीं। आठ आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा हरियाणा के समालखा में एक मुद्रण प्रेस पर छापेमारी कर बड़ी संख्या में मुद्रण प्लेटें, नकली पाठ्य पुस्तकें और मशीनरी जब्त की गई।एनसीईआरटी ने अपनी पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता में सुधार किया है। एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों का समय पर मुद्रण और बाजार में पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। नकली पाठ्य पुस्तकों के मुद्रकों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ सक्रिय कार्रवाई की जा रही है। मंत्रालय के अनुसार, काशीपुर में एक कागज मिल के खिलाफ कार्रवाई की गई, जो अवैध एनसीईआरटी वॉटरमार्केड पेपर बना रही थी। एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें अब प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर एमआरपी पर बिना डिलीवरी शुल्क के उपलब्ध हैं। आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित एक प्रौद्योगिकी-आधारित एंटी-पाइरेसी समाधान को एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में पेश किया गया है।

मंत्रालय ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अनुरोध किया है कि वे नकली पाठ्य पुस्तकों की बिक्री की किसी भी घटना की जानकारी एनसीईआरटी को pd.ncert@nic.in पर दें।

संक्षिप्त समाचार

जामुन के पेड़ से गिरने से एक युवक बुरी तरह घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंजः तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत जामुन के पेड़ से गिरने से एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सकरीगली भोजल टोला निवासी राज ब्रिज सिंह का 25 वर्षीय पुत्र छोटू सिंह सुबह 7:00 बजे जामुन के पेड़ पर चढ़कर जामुन तोड़ रहा था, तोड़ने के दौरान पैर फिसल कर 20 फिट के ऊंचाई से जमीन पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। जहां परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उक्त घायल का इलाज किया।

लायन अमित मिश्रा का हुआ नागरिक अभिनंदन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची- हरमू रोड स्थित होटल काव्स मे बिजनेस क्लस्टर ऑफ इंडिया के तत्वावधान मे लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के लायन अमित मिश्रा को आगामी सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर नागरिक अभिनंदन किया गया।मौके पर इउकके अध्यक्ष डॉ.सजीत कुमार ने कहा लायंस क्लब विश्व की सबसे बड़ी संस्था है जो मानव कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।लायन अमित मिश्रा को आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष चुने जाने पर अब हरिकनक ग्रेटर क्लब को और भी गति मिलेगी।बिजनेस क्लस्टर ऑफ इंडिया भी एक सामाजिक सरोकार रखते वाली व्यापारिक संगठन हैं जो व्यवसायियों के लोकल लेवल को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इस मौके पर लायन सुजीत कुमार,लायन शिव कुमार सिंह,डॉक्टर संजीत कुमार, अजय कुमार,धीरज ग्रोवर एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।यह जानकारी लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के पीआरओ शिव किशोर शर्मा ने दी है।

मांडर, सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक घायल, एक रिम्स रेफर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर टांगरबसली रोड में कंजिया पुल के निकट सोमवार की शाम को सड़क दुर्घटना में रांची के आजाद बस्ती निवासी बाइक सवार साहेब खान 20 वर्ष व फैजान खान 19 वर्ष घायल हो गये. फैजान खान को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना शाम करीब साढ़े सात बजे की है. बताया गया कि दोनों युवक गोरे गांव अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे. इसी क्रम में सामने से आ रहे दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गयी. जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गये!

हाइवा के टक्कर से लालबथानी निवासी तौफीक आलम हुआ घायल

मंडरोः मिर्जाचौकी झारखंड बैरियर समीप मंगलवार सुबह हाइवा के चपेट में आने से मुफ्फसिल थाना क्षेत्र लालबथानी निवासी तौफीक आलम हुआ घायल, इलाज के लिए भेजा गया अस्पताल। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल से तौफीक आलम अपने घर लालबथानी जा रहा था तभी मिर्जाचौकी झारखंड बैरियर समीप एक हाइवा जेएच 04 एल 1854 के जोरदार टक्कर से सड़क पर गिरकर घायल हो गया। वही स्थानीय लोगों की मदद से मिजाचौकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। वही घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची मिर्जाचौकी पुलिस। मिजाचौकी झारखंड बैरियर समीप लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया की हाइवा चालक इन दिनों सही से वाहन नहीं चलाते हैं। जिसके कारण दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। वही लोगो ने कहा की पुलिस प्रशासन को वाहन चालकों की ड्राइवरी लाइसेंस की जांच करवानी चाहिए। जिससे यह पता चले की वाहन चालक के पास लाइसेंस है या नहीं।

मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत पत्थर खदान में पोकलेन व हाइवा जलाने का बोरियो विधायक ने की निंदा

मंडरोः

मिजाचौकी थाना क्षेत्र में पत्थर खदान में दो पोकलेन व दो हाइवा जलाने का बोरियो विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन ने की निंदा । वही विधायक ने कहा की बड़ी ही दुःख के साथ मुझे कहना पड़ रहा है। कि बीते दिन मिजाचौकी एवं ललमटिया थाना क्षेत्र में बदमाशों के द्वारा पोप्लेन हाईवा जलाया गया था ललमटिया में गोली बारी कि गयी थी ।सभी हादसा को वरीय पदाधिकारी से मांग करता हू मामला को संज्ञान में लेकर में लेकर घटीत घटना का सफल उद्वेदन किया जाए। व्यवसाई एवं आम नागरिक घबराएं नहीं हम हमारी सरकार आप सभी के साथ है । ज्ञात हो की बीते दिन रविवार रात को मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत दामिनभीठा मौजा में स्थित जय माता दी स्टोन वर्क्स पत्थर खदान में अज्ञात अपराधियों ने दो पोकलेन एवं दो हाइवा में आग लगा दी थी। चारों वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गया था। मामले को लेकर मिजाचौकी पुलिस जांच में जुटी हुई है।

आज विद्युत आपूर्ति 8 घंटे के लिए बाधित रहेगा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राजकीय श्रावणी मेला, 2025 में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति हेतु 33/11 केवी कॉलेज शक्ति उपकेंद्र में 10 एमवीए पावर ट्रांस्फर्मर लगाया जाना है। ऐसे में कल दिनांक 04.06.2025 को समय दिन के लगभग सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 तक पीएसएस कॉलेज से निकलने वाले 11 केवी टाउन 1, टाउन 2, शिवगंगा, रामपुर, कांवरिया फीडर की आपूर्ति बाधित रहेगी। साथ ही शिवगंगा के चारों और हिन्दी विद्यापीठ, तिवारी चौक, ह-दहदीया पुल, बी एड कॉलेज, बरमसिया, जटाही, भुरभूरा मोड़, रामपुर, कांवरिया पथ आदि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ऊक्त अवधि के लिए बंद रहेगी।

प्रतिष्ठित पत्रकार रहे परमानंद चौधरी की दूसरी पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. परमानंद चौधरी निर्भीक पत्रकार के साथ साथ एक प्रखर समाजसेवी थेः रामेश्वर राम

हुसैनाबादः कृष्णा यादव

हुसैनाबाद/पलामूः मंगलवार को साहित्यिक संस्था मौसम के तत्वावधान में हुसैनाबाद के गणेशपुरी स्थित ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल में हुसैनाबाद के वरिष्ठ पत्रकार रहे स्व. परमानंद चौधरी की दूसरी पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया एवं नम आंखों से श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित सभी लोगों ने स्व. परमानंद चौधरी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया श्रद्धांजलि के साथ उन्हें नमन किया। मुख्य अतिथि पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सह संस्था मौसम के संरक्षक रामेश्वर राम उर्फ.छठन राम ने स्व. परमानंद चौधरी को याद करते हुए कहा कि वे न केवल एक निर्भीक पत्रकार थे,अपितु सामाजिक गतिविधियों में भी अग्रणी भूमिका निभाते थे। वे सामाजिक संस्था मानव नवनिर्माण समिति (मानस) के अध्यक्ष थे और समाजसेवा को पत्रकारिता के समानांतर महत्व देते थे। उन्होंने स्मरण करते हुए कहा कि पत्रकार स्व.परमानंद चौधरी जी की स्मृति में हर तीन वर्ष पर पत्रकार परमानंद चौधरी स्मृति सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। इसका आयोजन आगामी वर्ष में किया जाएगा। संस्था मौसम के अध्यक्ष विनोद सागर ने कहा कि चौधरी जी का पत्रकारिता के साथ साथ संस्था से विशेष जुड़ाव था और उनके जाने से समाज ने एक सच्चा प्रहरी खो दिया है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। संस्था 'मौसम' के सचिव, ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल के निदेशक सह दैनिक अखबार ह्यबदलता झारखंड के स्थानीय संपादक मनोज कुमार प्रजापति ने भी चौधरी जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर और खबर मंत्र जैसे प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में रिपोर्टिंग के माध्यम से सदैव आम जनता, विशेषकर वंचित वर्ग की आवाज बुलंद की। वरीय पत्रकार लक्ष्मी सिंह ने स्व.चौधरी को 'कलम का एक प्रखर योद्धा' बताते हुए कहा गया कि उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। युवा पत्रकार कृष्णा यादव ने कहा कि नए पत्रकारों को पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में उनका सराहनीय योगदान रहा है।कार्यक्रम में युवा पत्रकार विकास कुमार, कृष्णा यादव, आदित्य शर्मा, शैलेश कुमार, विनय कुमार सिंह सहित संस्था मौसम के अनेक सदस्य एवं क्षेत्रीय पत्रकार उपस्थित रहे और श्रद्धांजलि अर्पित की।

आईपीएस मोहम्मद नौशाद आलम को पलामू रेंज के डीआईजी बनाये गए

भाजपा नेता राकेश सिंह ने मोहम्मद नौशाद आलम को डीआईजी बनाए जाने पर बधाई दी

रांची ,।

आईपीएस मोहम्मद नौशाद आलम को झारखण्ड के पलामू रेंज के डीआईजी बनाये जाने पर उन्होंने झारखण्ड सरकार को और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस विश्वास के लिए बधाई दिया इस अवसर पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने भी उनको बधाई और शुभकामनायें दिया और कहा की यह हमलोगो के लिए और परसा के लिए काफी खुशी की बात है इतने बड़े पद पर जाकर भी अपने छेत्र के लोगो के प्रति उनका हमेशा सरल बेहवार रहा है और आज भी लोगो को गाँव के जैसा मान समान देते है मिलने पर पता नहीं चलता है की इतने बड़े अधिकारी होंगे वह बहुत ही मिलनसार बेवक्ति है जिसकी जितनी तारीफ की जाये वह कम है और ज्ञात हो की इससे पहले भी रांची एसपी के रूप मे और ट्रैफिक एएपी के रूप मे अपना योगदान दे चुके है और इनके कार्य शैली की भी चर्चा हमेशा होती है रांची मे काफी सराहनीय कार्य किये है अब पलामू के लोगो को भी इनके जाने से इनके अनुभव का काफी लाभ मिलेगा इस अवसर पर कई सामाजिक कार्यकर्त्ता ने भी उनको डीआईजी बनने पर संतोष शर्मा मंडल अध्यक्ष अजय नाथ मंटू बाबा पूरी मोनू सिंह भूलन जी चंदन सिंह विकास सिंह मिथलेश मांझी रामानंद सिंह सहित अनेक लोगो ने शुभकामनायें दिया ज्ञात हो की उनकी शुरूवाती शिक्षा गाँव सच्ची एक से पांच तक परसा प्राइमरी स्कूल से हुए जिसके 6 से 10 तक परसा हाई स्कूल से हुआ इसके बाद आईएससी दरभंगा से किया और बीएससी पूषा से किया।

हनुमान जी की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 24 पहर अखंड हरी नाम संकीर्तन का आयोजन

मंडरोः

मिजाचौकी गांधीनगर स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा एवं उपनयन संस्कार को लेकर 24 पहर अखंड हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया है।इस दौरान जिसमें मंगलवार को सैकड़ो बालिकाएं व महिलाओं के द्वारा गांधीनगर स्थित हनुमान मंदिर से कलश शोभा यात्रा निकाली गई।जिसको लेकर मिजाचौकी बाजार, शाहाबाद,नीमगाछी,महादेववरण शिव मंदिर मे पूजा अर्चना कर जल भरकर पुनः गांधीनगर हनुमान मंदिर परिसर में कलश को पंडितों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार कर पूजन किया एवं स्थापित किया गया।मुख्य जजमान भोला प्रसाद गौड़ व उनकी धर्मपत्नी शांति देवी ने बताया कि पांच जून गुरुवार को हनुमान जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा।जिसमें सैकड़ो भक्त भंडारा का प्रसाद प्राप्त करेंगे।वहीं श्री हरी राम संकीर्तन से आसपास का ग्रामीण क्षेत्र राम मय हो गया है,अखंड संकीर्तन का पूणार्हुति गुरुवार को होगी।मौके पर नंद कुमार गोंड, धर्म वीर गोंड,राजेंद्र यादव, कन्हैया कुमार,बैद्यनाथ गोंड,रंजू देवी,सविता देवी,ललिता देवी, कलावती देवी,अनीता देवी सहित सैकड़ों श्रद्धालु बढ़-चढ़ भाग ले रहे हैं।

साहेबगंज में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला सम्पन्न, 86 अभ्यर्थी चयनित और 179 शॉर्टलिस्टेड

उपायुक्त हेमंत सती ने किया मेले का उद्घाटन, युवाओं को दिया स्वरोजगार का संदेश

साहिबगंजः

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के तत्वावधान में सिद्धो-कान्हू सभागार, साहेबगंज में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस मेले का आयोजन जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, साहेबगंज के माध्यम से किया गया, जिसका उद्देश्य जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना था।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने दीप प्रज्वलित कर मेले का विधिवत उद्घाटन किया और अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि ऐसे मेलों से न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर होते हैं। उन्होंने उपस्थित प्रशिक्षकों को निर्देशित किया कि वे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ें।रोजगार मेले में कुल 10 निजी क्षेत्र के नियोजक उपस्थित हुए, जिनमें से 5 नियोजक साहेबगंज जिले से संबंधित थे। इन नियोजकों ने SMO Trainer, GDA Trainer, MIS, Mobilizer, Soft Skill Trainer, Warden, Centre Head, Counselor, DDEO Trainer, Service Advisor, Production Executive, Cook, Associate, Helper, Line Operator, Quality Check जैसे विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया चलाई।उक्त पदों हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, डिप्लोमा, ITI निर्धारित की गई थी। रोजगार मेले में कुल 1826 रिक्तियों के लिए आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 86 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया, जबकि 179 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।इसके अतिरिक्त, साहेबगंज जिले के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा 61 अभ्यर्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा उन्हें लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। इस आयोजन से अभ्यर्थियों में उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

गौरतलब है कि विगत 3 मई 2025 को आयोजित रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों में से 2 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का भी वितरण किया गया, जिससे कार्यक्रम की प्रभावशीलता और नियोजन की तत्परता स्पष्ट होती है।जिला प्रशासन का यह प्रयास युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, जिससे जिले में रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

केरेडारी कोल माइंस में नक्सली हमला, आग और गोलियों से दहशत

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड में रविवार रात उग्रवादियों ने एक बार फिर औद्योगिक गतिविधियों को निशाना बनाया। प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय (TSPC) के सदस्यों ने केडी कोल परियोजना में कार्यरत निजी कंपनी बीजीआर माइनिंग के दो स्कैनिया ट्रकों को आग के हवाले कर दिया। साथ ही, घटना के दौरान की गई गोलीबारी में एक युवक के घायल होने की पुष्टि हुई है।पुलिस के अनुसार, यह हमला रात करीब 8:30 बजे के आसपास हुआ जब दोनों वाहन कोयला ढुलाई में लगे थे। हमलावरों ने पहले अंधाधुंध फायरिंग की और बाद में पेट्रोल डालकर वाहनों में आग लगा दी। दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए।पुलिस को घटनास्थल से टीएसपीसी के सब-जोनल कमांडर ह्यकौशल जी के नाम से एक हस्तलिखित पत्र भी मिला है। इसमें संगठन ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एनटीपीसी, सीसीएल, एलएनटी और अन्य ठेका कंपनियों को बिना संगठन से संवाद किए कोई भी कार्य न करने की चेतावनी दी है। पत्र में आगे कहा गया है कि अगर आदेशों की अवहेलना की गई तो भविष्य में और बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया जाएगा ,घटना की सूचना मिलते ही पगार ओपी थाना प्रभारी विक्की ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इलाके की नाकाबंदी कर दी गई है, और संदिग्धों की तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। एफएसएल की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है ताकि फायरिंग और आगजनी से जुड़े सबूत जुटाए जा सकें । हजारीबाग पुलिस अधीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में उग्रवाद के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और शामिल दोषियों को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

गौतम बुद्धा वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्र में अवैध बालू लदा तीन ट्रैक्टर जप्त

वन विभाग और चौपारण पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

गौतम बुद्धा वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुड़िया जंगल में अवैध बालू खनन की सूचना पर वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार को तीन बालू लदे ट्रैक्टरों को जब्त किया गया।इस संबंध मे वनरक्षी जैनेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि डीएफओ को गुप्त सूचना मिली कि मुड़िया जंगल क्षेत्र से बालू लदे तीन ट्रैक्टर निकलने वाले हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने चौपारण पुलिस की मदद से तत्काल एक विशेष छापामारी दल गठित किया और मुड़िया जंगल क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों ट्रैक्टरों को मौके पर ही पकड़ लिया।हालांकि गिरफ्तारी किसी की नही हुई क्योंकि बालू तस्कर और ट्रैक्टर चालक छापामारी दल को देखते ही फरार हो गया।जप्त किए गए ट्रैक्टरों को चौपारण कार्यालय लाया गया है, जहां वन अधिनियम की धाराओं के तहत वनवाद दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस कार्रवाई में वनरक्षी जैनेंद्र कुमार,कुलदीप कुमार,अयूब अंसारी,चौपारण थाना पुलिसकर्मी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी शामिल थे।गौरतलब है कि गौतम बुद्धा वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्र एक संरक्षित वन क्षेत्र है, जिसे 1976 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 18 के अंतर्गत अधिसूचित किया गया था। यह क्षेत्र न केवल जैव विविधता से समृद्ध है,बल्कि यहां वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराने की दृष्टि से कोई भी खनन,वनोपज संग्रह,या यांत्रिक गतिविधि पूर्णतः प्रतिबंधित है।वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 29 के तहत,आश्रयणी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भूमि के उपयोग में परिवर्तन,खनन कार्य,वृक्षों की कटाई या खनिज पदार्थों का निष्कर्षण बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अवैध माना जाता है और इसके लिए कठोर दंड का प्रावधान है। इसमें वाहन जप्ती के साथ-साथ दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर जेल तक की सजा का प्रावधान है।

मोहनपुर का डुमरिया बलजोरा सड़क की हाल बेहाल

सड़क के गड्ढे में भरा पानी, हर कदम परेशानी

ग्रामीण पिछले 10 सालों से सड़क मरम्मती की मांग को कर रहे हैं

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मोहनपुरः

बारिश के बाद डुमरिया बलजोरा मार्ग की स्थिति बदतर हो गई है। मार्ग में बना गड्ढा दिन - प्रतिदिन जानलेवा साबित हो रहा। बरसात में गड्ढे में भरा पानी से गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। सर्वाधिक खराब बलजोरा गांव के पास है। यहां सड़क पहले से गड्ढे में तब्दील है। इसमें बारिश का पानी इकट्ठा हो गया है। विभागीय उदासीनता के कारण छोटे-छोटे गड्ढे में विशाल रूप ले लिया है। बार-बार आगाह करने के वजूद भी पीडब्लूडी अधिकारियों की नींद नहीं टूट रही है। सोमवार को राहगीर को सबसे ज्यादा परेशानी हुआ। गड्ढे एक से डेढ़ फीट गहरा हो गया है। जहां बरसात का पानी जमा हो जाने से बाइक सवार लोग लगातार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कई बार बाइक के पीछे बैठी महिलाएं अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर चुकी है। कई लोगों की मोबाइल भी इस गड्ढे में गिरकर बर्बाद हो चुके हैं। ग्रामीण पिछले दस सालों से सड़क मरम्मती की मांग करते आ रहे हैं लेकिन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसे में लोग जान जोखी में डालकर आवाजाही करने की मजबूरी है।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, धान की फसल में अगलगी को लेकर भुगतान, जल पाईप लाईन योजना से संबंधित आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे

प्रदेश महासचिव तनवीर आलम के निर्देश पर मोनिता कुमारी बनीं जनसमस्याओं की आवाज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मंगलवार को नगर के वार्ड संख्या 3 (कूड़ापाड़ा) और वार्ड संख्या 6 (छोटी अलीगंज) की जटिल जनसमस्याओं को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव तनवीर आलम के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी की जिला महासचिव मोनिता कुमारी ने नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी से समन्वय स्थापित कर स्थानीय जनता की समस्याओं को गंभीरता से उठाया।क्षेत्र में व्याप्त जल निकासी की समस्या, पेयजल संकट, और बुनियादी नागरिक सुविधाओं की कमी को लेकर मोनिता कुमारी ने पहले खुद क्षेत्र का दौरा किया और फिर कार्यपालक पदाधिकारी को मौके पर बुलाकर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष रूप से मुलाकात करवाई। कूड़ापाड़ा में नाले की आवश्यकता तथा छोटी अलीगंज में डिप बोरिंग और जल निकासी की मांगों पर उन्होंने ठोस कार्रवाई की मांग की। कार्यपालक पदाधिकारी ने समस्याओं को प्राथमिकता पर लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। स्थानीय जनता ने मोनिता कुमारी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ₹मोनिता दीदी ही हैं जो हमारी समस्याओं को ऊपर तक पहुंचाती हैं और समाधान की दिशा में ठोस प्रयास करती हैं। यह पहल कांग्रेस संगठन की जमीनी सक्रियता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है।इस मौके पर नगर अध्यक्ष वंशराज गोप, निवर्तवान वार्ड पार्षद अरुण सरदार,कनीय अभियंता, दुलाल सिंह,नीलू सरदार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बेहरवातिलहा जोरिया के पुल पर मोटर साइकिल चालक की सड़क दुर्घटना में मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलोना हुसैनाबाद सड़क में बेहरवातिलहा जोरिया के पुल पर मोटर साइकिल चालक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक सिमरा (देवघर प्रखंड) निवासी रंजीत वर्मा उम्र करीब तीस वर्ष वापस अपने घर के तरफ जा रहा था। घटना की सूचना मिलने पर देवीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और लाश का शिनाख्त कर उसके परिजन को जानकारी दिया। इसके बाद लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल देवघर भेज दिया गया। इस सड़क दुर्घटना के कारण मोटर साइकिल चालक की मौत हो जाने से मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा है। वहीं जेएमएम के तेजनारायण वर्मा, जुलेश मरांडी एवं अन्य कार्यकताओं के साथ मृतक के परिजनों को घटनास्थल पर पहुंचने तक मौजूद रहे।

कोरियासा में आयोजित नौ दिवसीय यज्ञ के सातवें दिन संगीत मय रामकथा का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कपिध्वज समाज कोरियासा बजरंगबली मंदिर के प्रांगण में रामचरितमानस नवाह पारायण महायज्ञ नो दिवसीय यज्ञ जो दिनांक 28 मई से आज सातवें दिन के दौरान प्रत्येक दिन सुबह पाठ एवं संध्या 4 बजे से हवन कार्यक्रम वैदिक प्रतिष्ठित पंडित अवधेश शास्त्री के द्वारा किया जा रहा है।जो देवघर शहर के अगल बगल के हजारों की संख्या में भक्तों की परिक्रमा एवं करते नजर आ रहा है। एवं वनारस से आए कथा वाचक महेन्द्र शास्त्री के द्वारा संगीतमय राम कथा सुनने के हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ देखने उमड़ी। एवं कैमेटी के द्वारा प्रत्येक दिन प्रसादी की व्यवस्था भी किया गया है। ईस यज्ञ में समिति के अध्यक्ष शैलेश दुबे, सचिव धमेंद्र रमानी, कोषाध्यक्ष श्रीनिवास दुबे, कार्तिक दास, उप सचिव बद्री वर्मा, उपाध्यक्ष उमेश यादव, यजमान पंकज दुबे, विक्रम दुबे,सोनु बाबा,अजय साह,मिडिया प्रभारी मुरारी मंडल, भैरव दास, सकदेव रमानी, ललन सिंह,उदय रमानी, अमरेश दास, उमेश मंडल, रंजन दुबे, दिवाकर राम, आदि सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

अतिरिक्त यात्री भीड़ के सुविधार्थ पू. सी. रेलवे द्वारा समर स्पेशल ट्रेनें

मालीगांव,:

यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने तीन जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। इसमें दो जोड़ी मौजूदा स्पेशल ट्रेनों की अवधि में विस्तार और एक नई जोड़ी की शुरूआत शामिल है।

ट्रेनों की अवधि में विस्तार:

ट्रेन संख्या 09623/09624 (उदयपुर सिटी-फारबिसगंज-उदयपुर सिटी) समर स्पेशल अब अपने मौजूदा निर्धारित अवधि से आगे भी चलेगी। इस जोड़ी की विस्तारण अवधि को 3 और 5 जून से बढ़ाकर क्रमशः 24 और 26 जून, 2025 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 09623 प्रत्येक मंगलवार को उदयपुर सिटी से रवाना होकर फारबिसगंज पहुंचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 09624 प्रत्येक गुरुवार को फारबिसगंज से रवाना होकर उदयपुर सिटी पहुंचेगी। ये सेवाएं

04 अतिरिक्त फेरों के लिए चलेंगी और इसकी समय-सारणी और ठहराव पूर्व अधिसूचित अनुसार ही रहेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09189/09190 (मुंबई सेंट्रल-कटिहार-मुंबई सेंट्रल) की अवधि में भी विस्तार किया जाएगा। इस जोड़ी ट्रेन की सेवाएं अब 7 और 10 जून से बढ़ाकर क्रमशः 27 और 30 सितंबर, 2025 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 09189 प्रति शनिवार को मुंबई सेंट्रल से खुलकर कटिहार पहुंचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 09190 प्रति मंगलवार को कटिहार से खुलेगी और मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। शेड्यूल में बिना किसी बदलाव के प्रत्येक दिशा में कुल 17 फेरों के लिए इस जोड़ी ट्रेन का परिचालन होगा।

नई समर स्पेशल ट्रेन:

उपर्युक्त के अतिरिक्त, हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच एक नई जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन शुरू की जाएगी। 4 जून से 25 जून, 2025 तक ट्रेन संख्या 03027 प्रत्येक बुधवार को हावड़ा से 23:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10:45 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 5 जून से 26 जून, 2025 तक ट्रेन संख्या 03028 प्रत्येक गुरुवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन हावड़ा 00:10 बजे पहुंचेगी। यह जोड़ी ट्रेन भी प्रत्येक दिशा में 04 फेरों के लिए चलेगी। इन ट्रेनों के मार्ग, ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और पू. सी. रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी ट्रेन यात्रा शुरू करने से पहले विवरणों की जांच कर लें।

पूर्व विधायक अकिल अख्तर ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़: सूबे की राजधानी रांची में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र से रहे पूर्व विधायक अकिल अख्तर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवास में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने सोरेन को एक बार पुनः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अध्यक्ष चुने जाने पर शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। अख्तर ने कहा कि सोरेन का फिर से पार्टी अध्यक्ष चुना जाना झारखंड की जनता की उम्मीदों का प्रतीक है और इससे राज्य में सामाजिक न्याय, आदिवासी अधिकारों तथा विकासोन्मुख राजनीति को और मजबूती मिलेगी। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच पाकुड़ जिले के समग्र विकास, स्थानीय जनसमस्याओं एवं लंबित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत वार्ता हुई। श्री अख्तर ने मुख्यमंत्री का ध्यान विशेष रूप से पाकुड़ में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, शिक्षा की गुणवत्ता, सिंचाई परियोजनाओं की धीमी प्रगति तथा युवाओं के लिए रोजगार सृजन से संबंधित मुद्दों की ओर आकृष्ट कराया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि राज्य सरकार जनता की अपेक्षाओं

पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार का उद्देश्य हाशिए पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाना है और इसके लिए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए जाएंगे। श्री अख्तर ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि वे पाकुड़ के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार जनमुद्दों को सरकार तक पहुँचाते रहेंगे और क्षेत्र के विकास हेतु सकारात्मक सहयोग करते रहेंगे। यह भेंट न केवल शिष्टाचारिक रही बल्कि इसमें नीति-निर्धारण एवं विकास के कई अहम पहलुओं पर गहन संवाद हुआ, जो आने वाले समय में पाकुड़ के विकास को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

आम उत्सव सह बागवानी मेला का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:हिरणपुर प्रखंड परिसर में मंगलवार को मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत एक दिवसीय आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार भगत, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी टुडु दिलीप, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, पंचायत के मुखिया, किसान एवं बीपीओ टिंकल चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर मेला का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण को आम बागवानी के लिए प्रेरित किया गया। ताकि वे अधिक से अधिक आम बागवानी कर अपनी जीविका का साधन अपना सकें। मेला में विगत वर्षों के बागवानी के किसानों ने अपनी बागवानी के उपज का स्टॉल लगाकर प्रदर्शनी लगाई। जहां पर लोगों ने आम खरीदा। वहीं महिला किसानों ने अपने आम बागवानी से जुड़े अनुभवों को भी बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री दिलीप ने ग्रामीणों को

आम की बागवानी के लिए प्रेरित किया जिससे वे अधिक से अधिक आम बागवानी लगाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें। इसलिए ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण इस योजना का लाभ लेकर स्वावलंबी बन सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद उपाध्यक्ष ने कहा कि आम बागवानी का लाभ उठाकर कई ग्रामीण स्वावलंबी बन रहें हैं। इसलिए अधिक से अधिक ग्रामीण इस योजना का लाभ जरूर उठायें। उनके उत्पादनों के लिए बाजार की व्यवस्था भी की जाएगी। जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक भगत, प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दीलिप एवं अचल अधिकारी मनोज कुमार ने किसान कोरोलिना किस्कु, सोनामुनी हेम्ब्रम, निरंजन भंडारी एवं मिठून साह को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रभारी बीपीएम, जेएसएलपीएस शंकर तिवारी, प्रधान सहायक, कर्मीगण एवं अन्य उपस्थित थे।

तनवीर आलम पहुँचे पाकुड़ जिला कार्यालय जन समस्याओं को लेकर की अहम बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सोमवार को पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस के झारखंड प्रदेश महासचिव तनवीर आलम पहुँचे जहाँ उन्होंने जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं के साथ की अहम बैठक की. एवं विभिन्न पंचायत से आए आम जनों की समस्याओं से भी रूबरू हुए, ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर क्षेत्र से आए पुरुष एवं महिलाओं ने जमीन संबंधी, मईया सम्मान योजना संबंधी, पेंशन संबंधित, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुदान राशि न मिलने जैसी समस्या एवं ग्रीन कार्ड न बनने की शिकायत, जाति आय निवास से संबंधित जैसी समस्याओं से झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव को अवगत कराया गया. तनवीर आलम ने संबंधित अधिकारी से वातालांप कर कुछ समस्याओं का समाधान ऑन द स्पॉट

किया एवं उक्त समस्याओं को त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिए। मौके पर , जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, विधायक प्रतिनिधि गुलाम मोहम्मद ,प्रखंड अध्यक्ष मानसारूल हक, प्रदेश सचिव सेमिनुल इस्लाम , अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन , देबू विश्वास , युवा महासचिव तस्लीम आरिफ उर्फ बुलेट, युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, ओबीसी जिला अध्यक्ष आमिर हमजा,मिरजाहां विश्वास ,रामविलास महतो, डॉ जोहरूल इस्लाम,नजरुल हक, मुखिया आबूताहिर शेख , मोजीबुर रहमान ,नसीम आलम, अंसारुल हक सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

अखिल भारतीय तेली महासभा की मगध प्रमंडलीय बैठक सम्पन्न

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- अखिल भारतीय तेली महासभा की प्रमंडलीय बैठक शेरघाटी प्रखंड के महमदपुर गांव में आयोजित किया गया।अखिल भारतीय तेली महासभा के वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन युवा अध्यक्ष संदीप कुमार द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम बहादुर प्रसाद गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति रही। आगत अतिथियों को आयोजक द्वारा अंग वस्त्र एवं पुष्प हार देकर सम्मानित किया गया।संबोधन के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में तेली साहू समाज द्वारा राजनीतिक भागीदारी के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए कृत संकल्पित है। ऐसी स्थिति में आज जिस प्रकार से तेली साहू समाज सहित वैश्य समाज के लोगों पर कुठाराघात किया जा रहा है

उससे निजात पाने के लिए वैश्य सुरक्षा आयोग का गठन जरूर किया जाना चाहिए जिससे वैश्य समाज के सभी लोगों को सुरक्षा की गारंटी दी जा सके। जिससे वे अमन चैन के साथ अपने व्यापार को बढ़ावा देकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकें।बहु चर्चित चिर प्रतीक्षित मांग तेल घाणी बोर्ड जिस प्रकार से भाजपा शासित राज्यों में क्रियान्वित होकर मूर्त रूप हो रही है।बिहार सरकार में भी तेल घाणी बोर्ड का गठन कर तेली समाज के लोगों को कल्याण किया जाना चाहिए हालिया समय में विधान सभा चुनाव होने वाली है ऐसी स्थिति में जितनी तेली समाज की भागीदारी है उस हिसाब से संबंधित दल के लोग टिकट का बंटवारा करें जिससे साहू समाज के लोग विधानसभा पहुंचकर अपने देश सहित सामाजिक हित बात कर सकें। विशिष्ट अतिथि शिवहर जिला अध्यक्ष डॉ रामधार साहू, वैशाली जिला अध्यक्ष ललन साहू,प्रदेश युवा महामंत्री पिंटू साहू, डॉ प्रदीप गुप्ता संतोष गुप्ता,राजेश कुमार प्रमोद साहू,राजकुमार साहू, रौशन साहु प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने भी साहू समाज के वर्तमान दशा एवं दिशा पर चर्चा किया। मौके पर अजय साहू विजय साहू परमेश्वर साहू,सूरज साहू सुबेदार मेजर डीके गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 हेतु ईवीएम एवं वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (FLC) का निरीक्षण

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के निदेशार्नुसार औरंगाबाद जिले में ईवीएम एवं वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जाँच (एफएलसी) का कार्य दिनांक 02 जून 2025 से प्रारंभ हो गया है, जो 18 जून 2025 तक लगातार चलेगा। इस महत्वपूर्ण कार्य का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया। एफएलसी कार्य के पर्यवेक्षण हेतु अपर समाहर्ता (आपदा), श्री उपेन्द्र पंडित को

पर्यवेक्षण पदाधिकारी के रूप में नामित किया गया है, वहीं श्री सच्चिदानंद सुमन, नोडल पदाधिकारी (ईवीएम कोषांग) को प्रथम स्तरीय जाँच के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कार्य भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक्स कॉपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) द्वारा नियुक्त अभियंताओं की 13 सदस्यीय टीम द्वारा किया जा रहा है। एफएलसी की प्रक्रिया प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 7 बजे तक लगातार चल रही है, जिसमें अवकाश के दिन भी शामिल हैं। जिले में कुल 3806 बैलट यूनिट, 3088 कंट्रोल यूनिट तथा 3295 वीवीपैट मशीनों की जाँच की जा रही है। एफएलसी कार्यक्रम की जानकारी सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्ष/सचिव के साथ-साथ राज्यस्तरीय पदाधिकारियों को भी दी गई है तथा उनसे या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों से इस प्रक्रिया में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। प्रथम स्तरीय जाँच के दौरान प्रत्येक बैलट यूनिट के सभी 16 बटनों पर 6-6 मत डालकर कुल 96 मतों से मशीन की कार्यक्षमता की जाँच की जाती है। एफएलसी प्रक्रिया के पश्चात योग्य घोषित मशीनों की सूची सभी राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराई जाती है। निर्वाचन से पूर्व मॉक पोल के अंतर्गत कुल 5 प्रतिशत ईवीएम मशीनों का परीक्षण किया जाता है, जिसमें 1 प्रतिशत मशीनों में 1200, 2 प्रतिशत में 1000 तथा अन्य 2 प्रतिशत में 500 मत डाले जाते हैं। केवल एफएलसी में उत्तीर्ण मशीनों का ही निर्वाचन कार्य में उपयोग किया जाएगा। जो मशीनें एफएलसी में अयोग्य पाई जाती हैं, उन्हें ईसीआईएल को सात दिनों के भीतर वापस भेजा जाता है। जाँच स्थल पर अग्निशमन वाहन, फायर अलार्म, एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे सुरक्षा एवं चिकित्सा संबंधी सभी आवश्यक पहलुओं का ध्यान रखा जा सके। ३ उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी द्वारा एफएलसी कार्य से संबंधित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को 'मैनुअल ऑन ईवीएम 2023' के अध्याय 2 में उल्लिखित निदेशों के आलोक में कार्य निष्पादन का स्पष्ट निर्देश दिया गया है।

बिहार के मुख्यमंत्री के घोषणा को अवहेलना कर रही है धार्मिक न्यास पर्षद

पातालगंगा में मेडिकल कॉलेज के लिए होगा उग्र आंदोलन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सूर्य नगरी देव के पातालगंगा में मेडिकल कॉलेज के लिए हो रहें अड़चन को दूर करने के लिए देववासी कियें बैठक ' पूर्व शिक्षक अजय गुरूजी के अध्यक्षता में हुई बैठक ' बैठक में समाजसेवीयों नें कहा की जब जिला प्रशासन से मेडिकल कॉलेज के सम्बन्ध में मिलना चाहते हैं तो कुछ स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है ' इसलिए सभी का विचार हुआ की धार्मिक न्यास बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी से मिलकर पुरे अडचन को जाना जाए उसके बाद निराकरण के लिए सचिवालय को अवगत कराया जाए ' और यदि किसी तरह की बात नहीं बनी तो उग्र

आंदोलन कर जिला को स्तब्ध करा दिया जायेगा ' मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा होने के बावजूद भी देव में मेडिकल कॉलेज में जबरदस्ती अड़चन पैदा करना राजनैतिक षड़यंत्र का बू आ रहा है ' पातालगंगा मठ का जमीन ब्रह्मचारी ज्ञानीनंद बाबा की तपोभूमि द्वारा अर्जित किया गया उसमे महंत का पावर हीं सर्वपरी होता है ये पातालगंगा का डीड में भी स्पष्ट रूप से भी उल्लेखित है ' पाताल गंगा मठ के महंत जी नें स्पष्ट रूप से मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन देने के लिए लिखित दे दियें हैं ' इसलिए बोर्ड के पदाधिकारियों मनमानी को रोकने के लिए उग्र आंदोलन करना हीं एक देववासी का विकल्प बना है ' इस बैठक में किसान नेता व बेढ़नी मुखिया मनोज सिंह, रुपेश कुमार, दीपक गुप्ता, विजय सिंह, प्रमोद कुमार, अमरेंद्र तिवारी, उदय सिंह, राजदेव भगत, सूरजदेव यादव,बलिराम सिंह,राम इकबाल एहमद उपेंद्र यादव राहुल सिंह उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार में स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पद का पदभार पूर्व प्रधान जिला जज अशोक राज ने ग्रहण किया, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि स्थाई लोक अदालत बोर्ड औरंगाबाद के अध्यक्ष ने विधिक सेवा प्राधिकार का निरीक्षण कर अभिलेखो की जानकारी ली, और जन कल्याण के कार्य सुगमता से करने में विश्वास जताया,इस अवसर पर प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद न्यायधीश दिवान फहद खां उपस्थित थे,स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष के पदभार ग्रहण करने पर लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल, स्पेशल पीपी कुमार योगेन्द्र नारायण सिंह, शिवलाल मेहता, परवेज अख्तर,जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय कुमार सिंह महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी, सहित अन्य ने बधाई दी है।

आर्म्स एक्ट में दोषी को तीन साल की सजा सुनाई गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में एसीजेएम -चार न्यायधीश प्रदीप चंद्रा ने नवीनगर थाना कांड संख्या 56/10, ट्रायल संख्या -768/25 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त को सजा सुनाई है, सहायक अभियोजन पदाधिकारी रणबीर ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त जितेन्द्र चंद्रवंशी रघुनाथगंज नवीनगर को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए में तीन साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, तथा धारा 26 में दो साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, अभियुक्त नबीनगर थाना कांड संख्या -55/10 में भी अभियुक्त था,अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक पुलिस अवर निरीक्षक कन्हैया सिंह थानाध्यक्ष नवीनगर 26/03/10 को सुबह में नबीनगर थाना कांड संख्या -55/10 के अभियुक्त को गिरफ्तार करने रघुनाथ गंज शस्त्र बलों के साथ छापेमारी कर रहे थे तो अभियुक्त को घर से गिरफ्तार कर तलाशी में खाट के तकिया के नीचे एक देशी पिस्तौल और कुछ गोलियां बरामद किया गया, अभियुक्त से उससे सम्बन्धित दस्तावेज मांग किया गया तो अभियुक्त ने कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया तब विधिवत जप्ति सुची बनाकर पिस्तौल और गोली जप्त किया गया,इस वाद में चार्जशीट -14/05/10 को आई थी, अभियुक्त पर 18/05/10 को संज्ञान लिया गया था, अभियुक्त पर आरोप गठन 18/05/23 को हुई थी आज निर्णय पर अभियुक्त को दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई है।

बिहारः ऊर्जा सचिव ने की बिजली आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा, शिकायतों के त्वरित समाधान के दिये निर्देश

पटनाः

ऊर्जा सचिव पंकज कुमार पाल द्वारा राज्य की दोनो वितरण कम्पनियों के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस कार्य की एक अहम समीक्षा बैठक की गई, जिसमें एनबीपीडीसीएल के एमडी राहुल कुमार सहित मुख्यालय की पूरी टीम एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर के सभी कनीय, सहायक, कार्यपालक एवम् अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे। पाल ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि सभी विद्युत आपूर्ति अधीक्षण अभियंता अपने-अपने अंचल में पावर कट, लो वोल्टेज, ट्रांसफॉर्मर या तार क्षति जैसी समस्याओं की निगरानी माइक्रो लेवल पर करें और उनकी त्वरित पुनर्स्थापन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को बिना विलंब के बिजली आपूर्ति बहाल हो, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी सहायक अभियंता और कनीय अभियंता लोगों की प्रत्येक कॉल को गंभीरता से लें। विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा की गई शिकायतों यथा- बिजली कटौती, वोल्टेज की समस्या, और फ्यूज कॉल्स आदि का तत्काल समाधान किया जाए। जो भी अधिकारी या कर्मचारी इस कार्य में लापरवाही या उदासीनता बरतते पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऊर्जा सचिव ने फ्यूज कॉल प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया, ताकि उपभोक्ताओं की शिकायतों का निस्तारण शीघ्रता से और पारदर्शी तरीके से किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिकायत निवारण प्रणाली को इस प्रकार सशक्त बनाया जाए कि लोगों को बार-बार अपनी समस्याएं न दोहरानी पड़ें।

सिवान में आंधी-तूफान और बारिश से 7 लोगों की मौत, सरकार देगी अनुग्रह अनुदान

पटनाः

सोमवार को राज्य के सिवान जिला के विभिन्न अंचलों में चली तेज आंधी एवं भारी वर्षापात के कारण कई स्थानों पर मकान एवं पेड़ गिरने की सूचना प्राप्त हुई है। मकान एवं पेड़ों के नीचे दबकर कुछ स्थानों पर लोगों के मरने की सूचना भी प्राप्त हुई है। सिवान जिला से प्राप्त सूचना के अनुसार आंधी-तूफान तथा वर्षापात के कारण बड़हरिया अंचल में 1, बसंतपुर में 2, लकड़ी नबीगंज में 3 तथा गौरैया कोठी में 1 कुल 07 लोगों की मृत्यु हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा मृतकों के निकटतम परिजनों को अनुग्रह अनुदान का भुगतान करने हेतु नियमानुसार कार्रवाई के लिए जिला पदाधिकारी को निदेशित किया गया है।

बिहार में जातिवादियों का किया जा रहा महिमामंडन और विकासवादी को मिल रही गुमनामी: महेश शर्मा

अमरेंद्र कुमार गया से दिव्य दिनकर के लिए।

बिहार की राजनीति में आज जातिवाद का जिस तरह से पोषण किया जा रहा है इससे लगता है कि कुछ दिनों में सवर्ण जातियों के लिए प्रदेश में रहना एक बहुत गंभीर चुनौती से कम नहीं होगा इस बात की जानकारी देते हुए बिहार भाजपा नेता महेश शर्मा ने बताया कि नव्वे के दशक में कोयरी दांगी समाज के एक नेता जो सिर्फ जाती की बात करते थे,आगड़ा पिछड़ा की बात करते थे,साथ ही ब्रह्मर्षि समाज सवर्ण समाज को अपमानित करने एवम अपमानजनक भाषा बोलने के लिए मशहूर थे जिनको जयदेव प्रसाद के नाम से जन्मजात था। ब्रह्मर्षि समाज के महिलाओं पर अपमान जनक टिप्पणी करते थे जिसके कारण वे पिछड़ा जाती के मसीहा बन गए थे। आज राजनीति की एक प्रचलन बन गई है ब्रह्मर्षि समाज को या सामान्य जाती बालों को जितना राजनीतिक गाली दो अपमानजनक शब्द बोलो उतना ही आप बिहार में सम्मानित नेता पिछड़ों के माने जाएंगे। खासकर नव्वे के दशक के बाद सभी राजनीतिक दलों में उनका सम्मान बढ़ा जो सवर्णों को गाली देने और अपमानित करने का काम किए चाहे लालू प्रसाद यादव हो /रामविलास पासवान हो /नीतीश कुमार हो / शकुनि चौधरी हो /सम्राट चौधरी हो /अशोक चौधरी हो / इस तरह के दर्जनों नेता सभी दलों में है। जगदेव प्रसाद न समाज के लिए /न राष्ट्र के लिए /न राज्य के लिए / न कोई कुबार्नी दिए थे और नही स्वतंत्रता सेनानी थे,हां इतना जरूर था कि पिछडो को सामान्य जाती के खिलाफ भड़काने का कार्य किया एवं पिछड़ा वर्ग के राजनीति किये थे। उनकी हत्या कोई सामाजिक/जातीय लड़ाई में नही हुई थी। उनकी हत्या कैसे हुई सब कोई जानता है,किस कारण से हुई सभी लोग जानते हैं,लेकिन उनकी हत्या को लगभग सभी दलों के पिछड़े नेता शहीद का दर्जा दे दिया। कुछ दिन बाद तो उन्हें लेनिन तक कि उपाधि देने वालों में लालू प्रसाद यादव,नीतीश कुमार सहित शकुनि चौधरी ने जगदेव प्रसाद को अमर शहीद लेनिन तक उपाधि दे दिया। इतना ही नहीं इनके मूर्ति सरकारी खर्च पर सरकारी भवन में

लगाई गई और बड़े बड़े सरकारी भवन और अस्पताल का नाम भी जगदेव प्रसाद के नाम पर रखे गए। साथ ही सभी राजनीतिक दलों द्वारा जगदेव प्रसाद की पुण्य तिथि और जन्म तिथि मनाई जाती है,वोट बैंक के लिए,लेकिन उनके वंसज जो जिंदा हैं उनको तिरस्कार किया जाता है। अफसोस तब होता है ब्रह्मर्षि समाज के दर्जनों नेता जो आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता सेनानी हुए /काले पानी की सजा भुगते /लाखो एकड़ जमीनदान में दिया जिसपर अस्पताल और सरकारी भवन बने हुए हैं। स्वामी जी हों /राजनारायण हों /श्री बाबू हों/सर गणेश दत सिंह जी हों /बाबू लँगत सिंह जी हो /शत्रुघ्न बाबू हों /महेश बाबू हों /बिनोबा भावे हों,रामविलास बाबू हों, ऐसे हजारों स्वतंत्रता सेनानी ब्रह्मर्षि समाज के हुए। सरकार की बात छोड़ दीजिए सरकार में संगठन में ब्रह्मर्षि समाज के सैकड़ों लोग समाज के नाम पर सत्ता संगठन सुख भोग रहे हैं। लेकिन ब्रह्मर्षि समाज के मीटिंग में जाने से डरते और समाज के कुछ लोग ब्रह्मर्षि समाज के महापुरुष पर कोई कार्यक्रम करते हैं तो डरते हैं खासकर भाजपा के ब्रह्मर्षि नेता गण। लेकिन भुमिहार के नाम पर सत्ता सुख संगठन सुख चाहिए। ब्रह्मर्षि समाज आज भी सभी राजनीतिक दलों को सबसे अधिक चंदा देता है समय देता है और वोट भी लड़ कर देता है,उस समाज के महापुरुषों की उपेक्षा कुछ अपने ही लोग क्षणिक स्वार्थ में सत्ता सुख के लिए कर रहे हैं,और सत्ता सुख में जमीर बेचकर सम्राट चौधरी,नीतीश कुमार के पिलिक दानी उठा रहे हैं।इस पर चिंतन सभी ब्रह्मर्षि समाज को जरूर करना चाहिए।

पुनपुन नदी से अवैध बालू ढुलाई करते ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार पर होगी सख्त कार्रवाई

हमीद नगर में उपहारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर सहित बालू जब्त, मामले की जांच जारी

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) उपहारा थाना क्षेत्र के हमीदनगर गांव में मंगलवार को उपहारा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से बालू ढुलाई कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह ट्रैक्टर पुनपुन नदी से अवैध तरीके से बालू भरकर लाया जा रहा था। पुलिस ने ट्रैक्टर को बालू सहित हमीद नगर गांव के पास से बरामद किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पकड़े गए ट्रैक्टर का स्वामी हमीद नगर निवासी देवन यादव का पुत्र भोला यादव है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पुनपुन नदी से रात्रि में अवैध रूप से बालू की ढुलाई की जा रही है। सूचना के आधार पर उपहारा थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस की यह कार्रवाई आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से पुनपुन नदी से अवैध बालू उठाव हो रहा था, जिससे नदी के पर्यावरणीय संतुलन पर भी असर पड़ रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

औरंगाबाद जिले में महिला संवाद कार्यक्रम का सफल रहा आयोजन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सभी 11 प्रखंडों के चयनित कुल 30 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। अब तक जिले के कुल 1327 ग्राम संगठनों में महिला संवाद आयोजित किए जा चुके हैं। प्रतिदिन दो पालियों में 15 महिला संवाद रथ का संचालन किया जा रहा है। महिला संवाद, बिहार सरकार की महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित करने की एक अभिनव पहल है। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी सीधे ग्रामीण महिलाओं तक पहुँचाई जा रही है। महिलाएं इन योजनाओं से प्राप्त लाभ साझा करती हैं और योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अपने विचार भी प्रस्तुत करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अब इस मंच के माध्यम से अपनी आकांक्षाएं एवं समस्याएं निर्भीक होकर व्यक्त कर रही हैं। महिला संवाद उनके लिए न केवल एक संवाद मंच है, बल्कि यह उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन चुका है। इस पहल के अंतर्गत अब तक कुल 34,271 अपेक्षाओं को ऐप में दर्ज किया जा चुका है। कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं पर आधारित फिल्में महिला संवाद रथ के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही हैं। साथ ही, इन योजनाओं से संबंधित जानकारी युक्त पुस्तिकाएं और पंपलेट्स भी महिलाओं के बीच वितरित किए जा रहे हैं, जिससे जो महिलाएं अब तक इन योजनाओं से वंचित हैं, वे जुड़ सकें और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का महिलाओं के नाम विशेष संदेश भी प्रसारित किया गया। देव प्रखंड के

सवेरा ग्राम संगठन में आयोजित महिला संवाद में जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री, जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका) श्री पवन कुमार, प्रबंधक (खरीदारी) श्रीकांत शर्मा, प्रखंड परियोजना प्रबंधक (देव) श्री संतोष कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक श्री श्याम नारायण पांडेय, सामुदायिक समन्वयक श्री अजीत कुमार एवं श्रीमती पिंकी कुमारी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना एवं बालिका पोशाक योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें इनका लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जीविका से जुड़कर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और अपने जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। महिला संवाद कार्यक्रम, बिहार की 'आधी आबादी' को राज्य के समावेशी और सामाजिक विकास में सक्रिय भागीदारी दिलाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। यह कार्यक्रम राज्य को सामाजिक रूप से समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर कर रहा है।

गन्ना किसानों के लिए अलर्टः स्मट रोग और टॉप बोरर से बचाव की एडवाइजरी जारी

पटनाः

आजकल गन्ना के फसल में कीड़े लगना आम बात है। इसी को देखते हुए गन्ना उद्योग विभाग ने राज्य के गन्ना किसानों को सतर्क करते हुए एक अहम एडवाइजरी जारी की है। वर्तमान समय में गन्ने की फसल पर कीट और रोगों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है,विशेषकर कलिका रोग (स्मट) और ह्यशीर्ष छिद्रक कीट (टॉप बोरर) के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कलिका (स्मट) रोग से होता है फसल को भारी नुकसान यह रोग गन्ने का एक प्रमुख फफूंद जनित रोग है, जो मार्च के अंत से जून तक अधिक तापमान (32 से 38 डिग्री सेल्सियस) में तेजी से फैलता है। खासकर खराब प्रबंधन वाले खूंटी फसल क्षेत्रों में यह अधिक देखने को मिलता है। रोगग्रस्त पौधों की पत्तियां नुकीली और खजूर की तरह हो जाती हैं, जबकि फुनगी से काले चाबुकनुमा डंठल निकलते हैं जिनमें लाखों बीजाणु होते हैं। इससे ईख की गुणवत्ता, रस और चीनी की मात्रा में भारी गिरावट आती है। बचाव के लिए विभाग की राय संक्रमित गन्नों को प्लास्टिक बैग में जड़ समेत निकालकर नष्ट करें। ग्रसित पौधों को जड़ से निकालने के बाद गन्ना फसल को प्रोपिकोनाजोल नामक फफुंद नाशी दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 15-20 दिनों के अंतराल पर 2 बार छिड़काव करना चाहिए जिससे रोग की तीव्रता कम हो। ग्रसित पौधे वाले खेतों से अगले फसल के लिए बीज का चुनाव नहीं करना चाहिए। वैसे खेतों में फसल चक्र अपनाएं ताकि पोषिता के अभाव में कलिका रोग के बीजाणु नष्ट हो जाएं। ऐसे खेतों में कम से कम दो वर्षों तक गन्ने की खेती नहीं करने की सलाह दी जाती है। शीर्ष छिद्रक कीट से फसल को खतरा यह कीट गन्ने की पत्तियों की मध्य शिरा में छेद कर नुकसान करता है, जिससे पौधे की बढ़ावर रुक जाती है और बगल से टहनियां निकलने लगती हैं जिसे ह्यबंची टॉपह्न कहते हैं। इसे रोकने के लिए मसाले वाली फसलों के साथ अंतरफसल करने से प्रकोप कम हो जाता है। कीटों की निगरानी और बड़े पैमाने पर कीटों को फंसाने के लिए फसल की छतरी से 15 सेमी ऊपर एक प्रकाश जाल लगाना चाहिए। स्मट रोग और शीर्ष छिद्रक जैसे खतरनाक रोग-कीटों पर नियंत्रण के लिए समुचित प्रबंधन बेहद जरूरी है। विभाग की ओर से जारी हुए एडवाइजरी में दिये गये

जिला पदाधिकारी ने देव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिलाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देव का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना तथा आम जनता को मिलने वाली मूलभूत चिकित्सीय सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा भंडारण कक्ष, प्रयोगशाला, पंजीकरण कक्ष, हिट वेव वार्ड एवं अस्पताल परिसर की समग्र साफ-सफाई व्यवस्था का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न पंजीयों एवं अभिलेखों की जांच की और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी पंजी अद्यतन एवं व्यवस्थित ढंग से संधारित हों। उन्होंने मरीजों से संवाद स्थापित कर उनके अनुभव भी सुने और अस्पताल की कार्यप्रणाली की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि चिकित्सकों की उपस्थिति रोस्टर के अनुसार अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए और ओपीडी का

संचालन समयबद्ध रूप से किया जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि रोगियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाओं जैसे दवा, जांच, परामर्श, पेयजल, पंखा, शौचालय आदि की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए और इनका लाभ हर मरीज तक सुनिश्चित रूप से पहुँचना चाहिए। गर्मी और लू की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए हिट वेव वार्ड की तैयारियों की विशेष समीक्षा की गई, जिसमें जिलाधिकारी ने यह सुनिश्चित करने को कहा कि लू प्रभावित रोगियों के इलाज हेतु सभी आवश्यक दवाएं, प्राथमिक उपचार किट एवं सुविधा उपलब्ध रहें। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को यह भी निर्देशित किया कि वे निर्धारित रोस्टर के अनुसार विभिन्न शिफ्टों में उपस्थित रहें और समय पर अपनी सेवाएं दें। निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनता को समय पर, सम्मानपूर्वक और समुचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही, उदासीनता या अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी और संबंधित कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अस्पताल से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या, सुझाव या शिकायत जिला प्रशासन तक सीधे पहुंचाएं, ताकि व्यवस्था में लगातार सुधार हो सके।

बिहार में गंगा जल से पटेगा बदुआ जलाशय, सिंचाई क्षमता में आएगा बड़ा इजाफा, किसानों को मिलेगी राहत

पटनाः

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने कहा है कि दक्षिण बिहार के कई जिलों में अब गंगा नदी के अधिशेष जल से सिंचाई की जाएगी। अभी गंगा जल से नालंदा, गया और नवादा जिलों में रहने वाले लोगों को पेयजल की आपूर्ति हो रही है। अब इन इलाकों में इस जल का उपयोग खेतों की सिंचाई के लिए भी किया जाएगा। मल्ल सिंचाई भवन स्थित सभागार में आयोजित पेयजल संकट वाले क्षेत्रों के लिए ''गंगा जल आपूर्ति योजना'' विषय पर परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। यह परिचर्चा जल-जीवन-हरियाली मिशन से जुड़े 15 विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और अभियंताओं की उपस्थिति में संपन्न हुई।उन्होंने इसे राज्य में जल प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकट से निपटने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत विभाग को जो काम मिले हैं, उसको पूरा करने के लिए सभी स्तर के पदाधिकारी प्रयास करेंगे। प्रधान सचिव ने कहा कि मानसून के समय गंगा में आने वाले अधिशेष जल को पाइपलाइन के माध्यम से बांका जिले के बेलहर स्थित बदुआ जलाशय तक पहुँचाने की योजना बन रही है। यह जलाशय वर्षों से मानसून में भी भर नहीं पाता, जिससे इसकी सिंचाई क्षमता लगभग 75-80 प्रतिशत तक घट चुकी है।

प्रस्तावित योजना से इस जलाशय को भरने के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा। उन्होंने यह भी बताया कि औरंगाबाद, डेहरी तथा सासाराम में सोन नदी के सतही जल का उपयोग करते हुए शीघ्र ही पेयजल योजनाएं शुरू की जाएंगी। वहीं, दुर्गावती जलाशय से भभुआ और मोहनिया शहरों को भी जल आपूर्ति की जाएगी। प्रधान सचिव ने आगे बताया कि जल-जीवन-हरियाली मिशन के तहत मोरवे, जालकोट, बासकोट एवं गरही जैसे जलाशयों को भी गंगा जल से भरने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि मानसून में गंगा का अधिशेष जल बर्बाद न होकर उपयोग में लाया जाए और इससे राज्य के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों को राहत मिले।अभियंता प्रमुख (सिंचाई एवं सृजन) अवधेश कुमार ने कहा कि जब तक जीवन और हरियाली है, तभी तक सच्ची खुशहाली संभव है। इनके बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन आज की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुकी है, और इससे निपटने के लिए हमें सतत, वैज्ञानिक और समर्पित प्रयास करने होंगे। आने वाली पीढ़ियों के लिए जलवायु संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल-जीवन-हरियाली अभियान इसी सोच का विस्तार है, जिसके तहत राज्य भर में तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कर उनका संरक्षण किया जा रहा है ताकि जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को प्रोत्साहन मिल सके। इसके साथ ही जल संरक्षण की दिशा में इन प्रयासों के साथ-साथ अन्य अनेक कार्य भी कराए जा रहे हैं, ताकि जल संसाधनों का दीर्घकालिक और सतत उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

निशाने पर सिर्फ मूर्ति भर नहीं है!

>> विचार

> “ ाबा साहब की मूर्ति कोई ऐसे ही नहीं पधराई जा रही थी। किसी दूसरे का ताला तोड़कर, रात के अँधेरे में किसी दूसरे धर्म के पूजाघर में घुसकर जबरिया नहीं बिठाई जा रही थी। बाकायदा सारे नियम-विधानों और उच्चतम आदेशों के समुचित क्रियान्वयन के साथ लगाई जा रही थी। 19 फरवरी 2025 को मप्र के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को ग्वालियर के ज्यादातर वकीलों के हस्ताक्षर से युक्त एक ज्ञापन दिया गया, जिसमे डॉ. अम्बेडकर की मूर्ति लगाने का आग्रह किया गया। 26 मार्च को उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ने आदेश दिया कि अधिकांश वकीलों की राय को देखते हुए मूर्ति की स्थापना की जाए। इस बीच नगर निगम बनाएगी या सरकार, पैसा कहाँ से आयेगा वगैरा की संभावित वितंडा और आशंका से बचने के लिए स्वयं वकीलों ने कोई दस लाख रुपये इकट्ठा करके मूर्ति का निर्माण करवा लिया।

बादल सरोज

मप्र हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के परिसर में डॉ. बी आर अम्बेडकर की मूर्ति लगाने के सवाल पर हो रहे विरोध को सिर्फ स्वयं को वकील बताने वाले चंद कुंदबुद्धि, जातिवादी, लम्पट और स्तरहीन व्यक्तियों की खुराफात समझना गलत समझदारी होगी। निशाने पर सिर्फ मूर्ति भर नहीं है, निशाने पर सिर्फ बाबा साहब भी नहीं हैं, असली निशाना भारत को कुछ हद तक रहने योग्य तथा भविष्य में बेहतरी की ओर जाने की संभावना वाला बनाने वाला वह हासिल है, जिसे सैकड़ों वर्ष तक चले सामाजिक सुधार के संघर्षों और कोई नब्बे साल चले महान स्वतंत्रता संग्राम ने पाया है। इनके निशाने पर वह रोशनी है, जो मनु की अंधेरी गुफा में सदियों तक जकड़े रहे भारत के समाज ने बड़ी मुश्किल से हासिल की है। इनके निशाने पर भारत का वह संविधान है, जिसने कोई पांच-सात हजार साल की सभ्यता के इतिहास में पहली बार सबकी समानता, समता की बात लिखी गयी। सबकी बराबरी के अधिकार वाले लोकतंत्र को स्थापित किया। अपनी बात कहने, असहमति और विरोध जताने, संगठित होने तथा अपनी मर्जी और पसंद का धर्म मानने अथवा कोई भी धर्म न मानने के बुनियादी अधिकार दिए भी, दिलाये भी। बाबा साहब अम्बेडकर इसको बनाने वाली संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, इसलिए उन्हें इस देश की जनता ने संविधान निर्माता माना। इस प्रकार उनकी मूर्ति लगाए जाने का विरोध सिर्फ उनकी मूर्ति लगाए जाने का विरोध भर नहीं है ; वे जिसके प्रतीक मान लिए गए हैं, उस सबका निषेध है। जो इस मसले को दलित बनाम सवर्ण बताने की डेढ़ सियानपट्टी दिखा रहे हैं, वे दरअसल ऐसा इसलिए कर रहे हैं, ताकि अपनी बुरी नीयत और पापी इरादे को जाति की भेड़ की खाल में छुपा सकें। पृथ्वी के इस भूभाग के 'आदि वैद्य' कहे जाने वाले चरक की उक्ति में कहा जाए, तो जो इस तरह की ‘चतुराई’ कर रहे हैं, वे निस्संदेह बड़े वाले धूर्त हैं और जो इनके झांसे में आ रहे हैं, वे उनसे भी ज्यादा बड़े वाले मूर्ख हैं। अफ़सोस की बात है कि धूर्तता और मूर्खता का यह मधुमिलन उस हाईकोर्ट के परिसर में हो रहा है, जिसे जनता न्यायविद्वत्ता और विवेक का परिसर मानती है। उन वकीलों के बीच, उनके नाम पर हो रहा है, जिन्हें विद्वान् और समझदार तथा समाज की चेतना को आगे बढ़ाने वाला, उसे संस्कारित करने वाला माना जाता है। बाबा साहब की मूर्ति कोई ऐसे ही नहीं पधराई जा रही थी। किसी दूसरे का ताला तोड़कर, रात के अँधेरे में किसी दूसरे धर्म के पूजाघर में घुसकर जबरिया नहीं बिठाई जा रही थी। बाकायदा सारे नियम-विधानों और उच्चतम आदेशों के समुचित क्रियान्वयन के साथ लगाई जा रही थी। यह प्रक्रिया इन राहों से गुजर कर पूरी हुई : 19 फरवरी 2025 को मप्र के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को ग्वालियर के ज्यादातर वकीलों के हस्ताक्षर से युक्त एक ज्ञापन दिया गया, जिसमे डॉ. अम्बेडकर की मूर्ति लगाने का आग्रह किया गया। 26 मार्च को उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ने आदेश दिया कि अधिकांश वकीलों की राय को देखते हुए मूर्ति की स्थापना की जाए। इस बीच नगर निगम बनाएगी या सरकार, पैसा कहाँ से आयेगा वगैरा की संभावित वितंडा और आशंका से बचने के लिए स्वयं वकीलों ने कोई दस लाख रुपये इकट्ठा करके मूर्ति का निर्माण करवा लिया। 21 अप्रैल को हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने पी डब्लू डी विभाग को आदेश दिया कि वह मूर्ति लगाने के लिए चबूतरे का निर्माण करे। चबूतरा बन गया। 10 मई को कुछ कथित वकीलों ने गिरोह बनाकर जहाँ प्रतिमा स्थापित होनी थी, ठीक उस चबूतरे पर जाकर तिरंगा फहरा दिया। यह राष्ट्रध्वज का दुरुपयोग ही नहीं, उसका अपमान और एक ऐसा अपराध भी था, जिसके लिए दण्ड तक के प्रावधान है। मगर इन दिनों देश का यह दुर्भाग्य बन गया है कि जिन्होंने आजादी की पूरी लड़ाई में तिरंगे को कभी हाथ में नहीं लिया, आजादी के बाद जब इसे राष्ट्रध्वज का दर्जा मिला, तो इसका विरोध किया, इसे अपशकुनी तक बताया, इसे कभी अपने देश का झंडा न मानने की घोषणाएं की, इन दिनों वे ही इस झंडे का इस्तेमाल अपने कुकर्मों, असफलताओं और कुत्सित इरादों को छुपाने के लिए कर रहे हैं। ठीक वही अदा यहाँ दिखाई गयी। 14 मई से झ्र जिस गिरोह से ये ताल्लुक रखते हैं, उसकी आई टी सैल के अंदाज में - सोशल मीडिया पर मुहिम छेड़ दी गयी और पोस्टरबाजी शुरू हो गयी। इसी गर्मागर्मी में 17 मई को कथित भीम आर्मी का कोई बन्दा मूर्ति लगाने का ज्ञापन देने गया, तो उस पर हमला बोल दिया गया। हमलावर कौन थे, यह खुद उन्हीं ने वायरल हुए वीडियोज में बताया है। खुद को सनातनी और हिन्दुत्ववादी बताते हुए उन्होंने दलितों को छूट गालियाँ दीं। उन्हें आरक्षण देकर कहाँ से कहाँ तक पहुंचाने के ताने और उलाहने दिए। उस समय जो मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, उन जस्टिस सुरेश कुमार कैथ झ्र जो दलित भी हैं झ्र को उनकी जाति की याद दिलाते हुए घोर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ की गयीं। खुलेआम मारने, तोड़ने की धमकियां और डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा लगने पर उसे तोड़कर गिराने की गीदड़ भभकियां तक दी गयीं। यह सब होता रहा और सरकार और उसका प्रशासन हाथ हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। मीडिया इसे वकीलों के दो समूहों के बीच का विवाद बताता रहा और इस तरह अपराध को वाद-विवाद की चादर ओढ़ाता रहा। कुल मिलाकर सार यह है कि बाबा साहब की मूर्ति के बहाने जो लपक रहे है, उनके वेश या बाने पर जाने की बजाय इरादे पर जाना होगा। मिथिहासों में रावण साधु का वेश धर कर आया था। मारीच सोने का हिरण बनकर आया था। शकुनि मामा बनकर आया था। मिथकों और महा आख्यानों में ऐसे उदाहरणों की भरमार है कि भेड़िये कोई भी रूप धरकर आ सकते हैं। इन दिनों भेड़िये संविधान को चींथने और भभोड़ने के लिए झपट रहे हैं। अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग झुण्ड छोड़ दिए गए हैं।इस बार भेडिये तिलक लगाकर सनातन का बाना ओढ़कर आये हैं। सामान्य विवेक और विधि सम्मत राज की पहली शर्त है कि इन पर मुकद्दमे दर्ज किये जाने चाहिए, इस तरह का द्वेष और गरल फैलाने वालों को यथोचित दण्ड दिया जाना चाहिए। मगर क्या यह काम वो सरकार करेगी, जिसने सारे प्रोटोकॉल ताक पर रखकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस गवई को उनकी मुम्बई यात्रा में ओला जैसी प्राइवेट टैक्सी में बिठा दिया ? उन्हें रिसीव करने तक कोई नहीं पहुंचा था!! क्या इसलिए कि वे भारत के उंगलियों पर गिने जाने वाले ऐसे मुख्य न्यायाधीश है, जो दलित समुदाय से इस पद तक पहुंचे हैं। अब जिन्होंने देश के सीजेआई के साथ इस बर्ताव की जिम्मेदारी तय नहीं की, वे ग्वालियर हाईकोर्ट के मूर्ति मामले में कुछ करेंगे नहीं। संविधान बचाना है, तो भेड़ियों को ललकारना होगा -- इसी के साथ उन्हें भी पहचानना होगा, जो इस तरह के भेड़ियों को पालते हैं, क्योंकि जो समाज इतिहास से सबक नहीं लेता, उसे मारीचों, शकुनियों और मनुओं की वापसी का अभिशाप झेलना पड़ता है। लिहाजा वक़्त का तकाजा है कि जो भी संविधान और उसके बाबा साहब जैसे प्रतीकों का महत्व समझते हैं, उन सबको एकजुट होना चाहिए।

(लेखक 'लोकजतन' के संपादक हैं)

संपादकीय

दावों को नजरअंदाज करना ही बेहतर

बेशक सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया है कि हालिया संघर्ष में शुरुआत के दो दिनों में हमें हवाई नुकसान उठाना पड़ा। नंबर अहम नहीं हैं, लेकिन हमने गलतियां सुधारी और अपने टारगेट पर हमला बोल कर उसे तबाह कर दिया। डीजीएमओ (एयर ऑपरेशन) एयर मार्शल एके भारती ने भी लगभग यही बात कही थी कि जंग में नुकसान अपरिहार्य है, लेकिन सीडीएस ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार, 5 राफेल विमान गिराने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस सीडीएस के बयान का एक छोर पकड़ कर सवाल करते हुए संदेह जताने पर क्यों तुली है? उसकी संसद के विशेष सत्र बुलाने में क्या दिलचस्पी है? हम पहले भी कह चुके हैं कि यदि सामूहिक विपक्ष संसद सत्र की मांग कर रहा है, तो सरकार को मॉनसून सत्र कुछ पहले ही बुला लेना चाहिए, लेकिन अब कांग्रेस चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी सीडीएस के बयान पर संसद में स्पष्टीकरण दें। कांग्रेस को पता होगा कि अभी ‘ऑपरेशन सिंदूर’ स्थगित है, खत्म नहीं हुआ है। युद्ध की रणनीति अति गोपनीय विषय है, उसे संसद के मंच पर भी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सीडीएस ने रणनीति की ओर संकेत किया है। क्या प्रधानमंत्री के स्पष्टीकरण के जरिए कांग्रेस उस रणनीति का खुलासा करवा देना चाहती है, जो पाकिस्तान के लिए फायदेमंद हो सकती है। पाकिस्तान हमारी सैन्य रणनीति जानने के बाद अपनी रणनीति दोबारा बना सकता है। हमारा सवाल है कि क्या कांग्रेस का अस्तित्व भारत के अस्तित्व से भिन्न है? उसने कारगिल युद्ध के बाद विशेषज्ञ समिति की तर्ज पर नई समीक्षा-समिति बनाने की भी मांग की है। इस संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बातचीत कर सकते हैं। सार्वजनिक मंच पर शोर मचाने और प्रधानमंत्री पर देश को गुमराह करने जैसे आरोप लगाने से हासिल क्या होगा? दुश्मन ही खिल्ली उड़ाएगा। यह युद्ध-सा माहौल है, लिहाजा कांग्रेस को ऐसा गैर-जरूरी रवैया नहीं अपनाना चाहिए। देश और सेना उसकी भी है। संकटकाल में देश के राजनीतिक नेतृत्व ने जो निर्णय लिए हैं, फिलहाल उनका समर्थन करना चाहिए। राजनीति के लिए लंबा वक्त शेष है। अभी संसदीय चुनाव भी नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के बार-बार मध्यस्थता के दावे पर भी सवाल पूछना देशहित में नहीं है। भारत अमरीका से भी दुश्मनी मोल लेने का जोखिम नहीं उठा सकता, लिहाजा उन दावों को नजरअंदाज करना ही बेहतर है।

बिहार में नीतीश कुमार के लिए चिराग पासवान एक बार फिर सिरदर्द बनेंगे?

समी अहमद

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव से पहले खुद को स्थापित करने में जबरदस्त ढंग से जुटे हैं। उनकी वजह से जेडीयू और नीतीश की स्थिति कमजोर होती जा रही है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने बयानों से एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड के लिए सिरदर्द बनते नजर आ रहे हैं। जैसे-जैसे बिहार विधानसभा 2025 के चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है चिराग पासवान अपने बयानों का डोज बढ़ाते जा रहे हैं। खुद को युवा बिहारी कहने वाले और बिहार फर्स्ट का नारा देने वाले चिराग पासवान ने कुछ समय पहले यह बात कही थी कि उनका दिल दिल्ली में नहीं लगता और बिहार उन्हें बुला रहा है लेकिन उस समय उन्होंने कहा था कि इस चुनाव के बाद इस बारे में वह फैसला करेंगे। अब उनकी पार्टी की ओर से ताजा बयान में यह संकेत दिया गया है कि चिराग पासवान न केवल विधानसभा चुनाव लड़ेंगे बल्कि सामान्य सीट से चुनाव लड़ेंगे। हाजीपुर की सुरक्षित सीट से लोकसभा के सदस्य बने चिराग पासवान की पार्टी इस समय वह सभी हथकंडे अपना रही है जो चुनाव से पहले प्रेशर पॉलिटिक्स में अपनाए जाते हैं। उनकी पार्टी ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अपने पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान को विधानसभा चुनाव लड़ने की सलाह दी है। इसके बाद चिराग पासवान ने भी पार्टी के फैसले पर सहमति जताने की औपचारिकता पूरी करते हुए कहा कि अगर चुनाव लड़ने से पार्टी और गठबंधन का प्रदर्शन बेहतर होता है तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगे। इन बयानों से 2020 के विधानसभा चुनाव की याद ताजा हो जाती है जब उन्होंने एनडीए में रहते हुए एनडीए से अलग चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई और हर उस सीट पर अपना उम्मीदवार खड़ा किया जहां से जनता दल यूनाइटेड का उम्मीदवार खड़ा हुआ था। इसके बाद नीतीश कुमार की पार्टी केवल 43 सीटों पर सिमट गई थी और यह माना जाता था कि लगभग तीन दर्जन सीटों पर नीतीश कुमार की पार्टी के उम्मीदवारों की हार की बड़ी वजह चिराग पासवान के उम्मीदवारों को मिले हुए वोट थे। यानी चिराग पासवान की पार्टी ने नीतीश कुमार के खिलाफ ‘वोटकटवा’ का काम किया। उस समय नीतीश कुमार से चिराग पासवान बिल्कुल खुश नजर नहीं आते थे और उनकी खुलकर आलोचना भी करते थे। इस समय से चिराग पासवान ने खुद को ‘मोदी का हनुमान’ बताना शुरू किया था और कई लोगों की राय यह थी कि दरअसल भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर ही उन्होंने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं ताकि नीतीश कुमार की पार्टी का विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन कमजोर हो जाए। चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद नीतीश कुमार की हालत इतनी कमजोर हो गई कि उन्हें मजबूरी में यह कहना पड़ा कि वह मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। यह अलग बात है कि इसके बावजूद वह मुख्यमंत्री बने। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने चिराग पासवान को पूरी तरह साथ कर लिया और उनके चाचा पशुपति कुमार पारस को एनडीए में अलग-अलग कर दिया। इसकी वजह से पारस तो एनडीए से बाहर हो गए लेकिन चिराग पासवान का कद काफी बढ़ गया। भारतीय जनता पार्टी ने चिराग पासवान की पार्टी को लोकसभा के पांच सीटें दीं और उन सभी सीटों पर चिराग के उम्मीदवार जीत गए। इसके बाद चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के साथ अपने संबंध बेहतर करने शुरू किए। नीतीश कुमार ने जब अगस्त 2022 में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी से अलग होकर महागठबंधन के साथ सरकार बनाई तो चिराग पासवान का कद एनडीए में और बढ़ गया। यह और बात है कि नीतीश कुमार एक बार फिर पलटी मारते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव से कुछ ही पहले दोबारा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो गए। इस दौरान नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई और उनके अजीबोगरीब हरकत से भी उनकी काफी बदनामी हुई। राजनीतिक तौर पर एक और बदलाव यह आया कि प्रशांत किशोर अब एक तीसरी शक्ति के रूप में बिहार में उभरने की कोशिश में लगे हैं। इन सब के बीच इस बात पर भी शक पैदा हुआ कि क्या भारतीय जनता पार्टी नीतीश कुमार को 2025 के चुनाव में एनडीए का चेहरा बनाना पसंद करेगी या नहीं। भारतीय जनता पार्टी के नेता परस्पर विरोधी बयान देते रहे लेकिन फिलहाल ऐसा लगता है कि भाजपा औपचारिक रूप से उन्हें ही एनडीए का चेहरा मानती है और उन्हें ही अगले मुख्यमंत्री के तौर पर पेश कर रही है।

राजनीतिक पर्यवेक्षक यह याद दिलाते हैं कि 2020 के विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा ही स्टैंड लेते हुए दिखाने की कोशिश की थी लेकिन शायद अंदर ही अंदर वह चिराग पासवान को भी इस बात के लिए उकसा रही थी कि वह अपने उम्मीदवार जदयू के उम्मीदवार के खिलाफ खड़े करें। पांच साल बाद कई लोगों को लगता है कि वही सीन दोहराया जा रहा है। इस सारी बयानबाजी के पीछे सीटों के बंटवारे की राजनीति भी लोगों को समझ में आ रही है। नीतीश कुमार की कमजोर स्थिति के बावजूद ऐसा माना जा रहा है कि उनकी पार्टी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के बराबर सीट चाहती है। उधर भारतीय जनता पार्टी चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के नाम पर नीतीश कुमार को इस बात के लिए तैयार करने की कोशिश में लगी है कि वह इस बार कम सीट पर चुनाव लड़ें। पिछली बार चिराग पासवान की पार्टी केवल एक सीट पर जीत हासिल कर सकी थी और उस विजयी उम्मीदवार ने भी बाद में उनकी पार्टी छोड़ दी थी। लेकिन इस बार उनके तरकश में यह तीर है कि उन्होंने पांच लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है और उनका स्ट्राइक रेट 100% है। फिलहाल चिराग पासवान औपचारिक रूप से यही कहेंगे कि मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार ही उनकी पसंद है और इस सीट के लिए कोई वैकेंसी नहीं है लेकिन उनकी पार्टी एक समानांतर नीति के तहत उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा बनाते रहेगी। आमतौर पर सीट बंटवारे में घमासान के लिए महागठबंधन खबरों में रहता है लेकिन इस समय एनडीए में यह खींचतान जोरों पर है। कई लोगों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी चिराग पासवान को नीतीश कुमार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एक समानांतर चेहरे के रूप में पेश करने की कोशिश करेगी। हालांकि भारतीय जनता पार्टी औपचारिक रूप से इसके लिए कभी बयान नहीं दे सकती लेकिन चिराग पासवान की पार्टी उन्हें संभावित मुख्यमंत्री के तौर पर भी पेश करते दिख रही है। इसके पीछे यह रणनीति बताई जा रही है कि उनके चाचा पशुपति कुमार पारस अगर पासवान वोट में सेंध लगाने की कोशिश करते हैं तो वह नाकाम हो और पासवान बिरादरी चिराग पासवान के समर्थन में आक्रामक रूप से सामने आएं जिससे भारतीय जनता पार्टी को भी चुनावी फायदा हो। कहने को तो नीतीश कुमार बहुत ही घाघ नेता माने जाते हैं और बिहार के चाणक्य भी कहलाते हैं लेकिन इस समय वह भारतीय जनता पार्टी और चिराग पासवान की दोहरी चुनौती से ऐसी परेशानी में पड़ सकते हैं जो उनके राजनीतिक करियर के लिए निर्णायक हो सकता है।

बिगड़ता मानसिक स्वास्थ्य

डॉ. प्रतिभा विजय, रिलेशनशिप और मेंटल हेल्थ काउंसलर

विवाह एक पवित्र बंधन होता है जिसमें प्रेम, विश्वास, सहयोग और समर्पण की अपेक्षा होती है। जब ये स्तंभ कमजोर पड़ते हैं, तब व्यक्ति भावनात्मक असंतुलन का शिकार हो सकता है। कई बार इसी असंतुलन का परिणाम होता है विवाहेतर संबंध। विफल या तनावपूर्ण वैवाहिक जीवन का मानसिक स्थिति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जब जीवनसाथी के बीच संवाद की कमी हो जाती है, तो वह अन्य व्यक्ति की ओर आकर्षित हो सकता है। अकेलापन धीरे-धीरे अवसाद या चिंता का रूप भी ले सकता है। व्यक्ति को यदि लगातार आलोचना, तुलना या अस्वीकार का सामना करना पड़े तो उसका आत्म-सम्मान कमजोर होने लगता है। ऐसे में कोई ऐसा व्यक्ति जो उसे स्वीकारता है, उसकी सराहना करता है, वह आकर्षण का केंद्र बन सकता है। विवाहेतर संबंधों का एक और बड़ा कारण यौन संतुष्टि की कमी है। यदि इस विषय पर खुले संवाद की जगह शर्म, डर या असहजता है, तो व्यक्ति अपनी इच्छाओं को बाहर पूरा करने की कोशिश कर सकता है। बचपन के आघात, पूर्व रिश्तों की कड़वी यादें या असुरक्षा की भावना भी व्यक्ति को अस्थिर बना देती है। वह बार-बार प्यार की तलाश में भटकता रहता है। साथ ही करियर, घर-परिवार की अपेक्षाओं से यदि व्यक्ति मानसिक रूप से टूटने लगता है तो वह दूसरे विकल्पों की ओर आकर्षित होता है।

जीवन के कुछ दौर ऐसे होते हैं जब व्यक्ति के विवाहेतर संबंधों में उलझने की आशंका रहती है। जैसे वैवाहिक जीवन के पहले 5-7 वर्षों में झ्र जब प्रेम पर धीरे-धीरे जिम्मेदारियां हावी होने लगती हैं। बच्चों के जन्म के बाद महिला का पूरा ध्यान बच्चों पर होता है तो दूसरा साथी उपेक्षित महसूस कर सकता है। 35-45 वर्ष की उम्र में जब व्यक्ति अपने जीवन की उपलब्धियों और अधूरे सपनों पर विचार करता है और ‘कुछ नया’ या ‘खोया हुआ समय’ पाने की चाह में इस तरह की गतिविधियों में उलझ जाता है। जब रिश्तों में विवादों का समाधान नहीं होता, तब भी इस तरह का खतरा बना रहता है। इस तरह की गतिविधियों का मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। विवाहेतर संबंध के बाद व्यक्ति मानसिक द्वंद्व में फंस जाता है। उसे खुद से घृणा, शर्म और अपराधबोध महसूस होने लगता है। दोहरे जीवन की वजह से तनाव और चिंता बढ़ जाती है। इससे स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। संवाद ही हर रिश्ते की नींव है। पति-पत्नी को एक-दूसरे से खुलकर बात करने, मन की बात साझा करने और बिना जज किए सुनने की आदत डालनी चाहिए। एक-दूसरे के सपनों, इच्छाओं और भावनाओं को समझना और समर्थन देना बहुत जरूरी है। साथ देना ही असली ‘साथी’ का काम है। रोमांस, सरप्राइज, तारीफ, साथ में समय बिताना - ये सब वैवाहिक रिश्ते को जीवंत बनाए रखते हैं। यदि साथी तनाव में है, अवसाद या चिंता का शिकार है, तो उसे मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ को दिखाया जाना चाहिए। इसे कमजोरी नहीं, समझदारी मानें। इसके बावजूद यदि कोई विवाहेतर संबंधों में उलझ जाता है और इसके कारण वह मानसिक परेशानी से गुजर रहा हो, तो इससे बाहर निकलने के प्रयास किए जाने चाहिए। अपने किए की जिम्मेदारी लें और खुद से ईमानदारी बरतें। भागने से समस्या नहीं सुलझती। कपल काउंसलिंग या व्यक्तिगत थैरेपी से आप अपने अंदर के भावनात्मक उलझनों को सुलझा सकते हैं। यदि रिश्ते में सुधार की गुंजाइश हो तो माफी मांगना और देना दोनों जरूरी हैं। रिश्तों को दोबारा मौका देना भी एक साहसिक और प्रेमपूर्ण कदम हो सकता है। समाज के डर से नहीं, मन की शांति के लिए सही निर्णय लें। चाहे रिश्ता बनाए रखें या अलग हों, निर्णय मानसिक संतुलन और आत्म-सम्मान को ध्यान में रखकर लें। स्वस्थ मानसिकता सफल वैवाहिक जीवन का आधार है, और एक सफल दांपत्य जीवन मानसिक शांति का स्त्रोत। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। जब रिश्ते में ईमानदारी, संवाद, प्रेम और सम्मान होता है, तो न सिर्फ रिश्ता फलता-फूलता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान-पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एंडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स लाल होना व सूजन आना
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं- आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेन्टोकॉकस जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं। **इनमें निम्न उपचार प्रमुख हैं :**

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- नर्म चीजें खाएं, जैसे हलवा, जई (ओट्स) और सूप।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर पेरासिटामोल या आई ब्रुफिन लेते रहें।
- नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, तभी डॉक्टर एंटी-फंगल दवाएं देते हैं।
- अदरक, कैमोमाइल या कुठरा की चाय गले में आराम भी देती है और इसमें जीवाणुरोधक गुण भी हैं।
- धूम्रपान न करें और मिर्च-मसाले का भोजन न लें।

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक हैं। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब यह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेंफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियो वॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का पड़ता है। ईंधन के जलने, बिजली के उपकरण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण सांस फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने लगता है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास वाले पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- नीम प्रदूषकों को अवशोषित करके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्युकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो बार नीम की 3-4 पत्तियां चबाने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है। इसे घी के साथ मिलाकर लेना कफ में आराम देता है और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।
- रोज 2-3 चम्मच देसी घी खाएं, ये लेड व पारे जैसे हानिकारक तत्वों को शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला पॉउडर वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्यूनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपालभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे जिंक, पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का खतरा बढ़ाती है। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी हवा बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ्य फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है। तीसरा सर्दियों में स्मोग (स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। प्रदूषित वायु श्वास नलिकाओं और फेफड़ों के साधे संपर्क में आने से ऊतकों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है जिससे वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में चेहरे व नाक को ढक कर रखें, जब तापमान बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम न करें, मुंह के बजाय नाक से सांस लें, ताकि फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क में न आएं। दमा या सांस के रोगी एन 95 मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। गहरी सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े साफ होते हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन अंदर जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग का सही तरीका है, नाक से सांस अंदर लो और मन ही मन 1-2-3-4 तक गिनो, फिर मुंह से सांस छोड़ो और 1-2-3-4-5-6-7-8 तक गिनो। गहरी सांस छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर फेशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। -घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40-50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार-बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार-बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा-सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका कहना है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करना और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टिक से कैंसर होने की बात को गलत ठहराते हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना गलत होगा। जानकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी क्वालिटी का प्लास्टिक लिया जाए तो कैंसर का खतरा टाला जा सकता है। वैसे जानकारों की सलाह है कि जहां तक हो सके खाने-पीने के लिए स्टील और कांच के बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक की क्वालिटी को लेकर सरकार भी काफी सख्त है। प्लास्टिक के प्रोडक्ट्स के लिए बाकायदा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कंपनियां लोगों की आंखों में धूल न झोंक पाएं। फिर भी लोग हल्की क्वालिटी के प्लास्टिक के टिफिन और बोतल खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

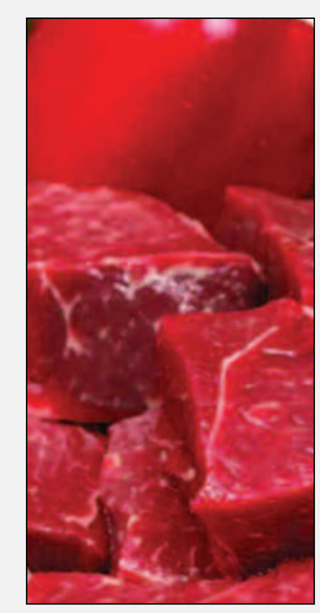

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है,और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल है।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

हरियाणा में 99 हजार लोगों का किया निश्शुल्क डायलिसिस

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य के 22 जिलों में संचालित हीमोडायलिसिस सेवाओं के तहत 18 अक्टबर, 2024 से 30 अप्रैल, 2025 तक कुल 99,309 निःशुल्क डायलिसिस सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। जारी जानकारी में उन्होंने बताया कि अब डायलिसिस की सेवा हरियाणा के सभी नागरिकों को पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान की जा रही है। वर्तमान में यह सुविधा राज्य के 20 जिला नागरिक अस्पतालों तथा दो मेडिकल कॉलेजों करनाल व नूंह में उपलब्ध है। इसके अलावा, आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों में भी पात्र लाभार्थियों को यह सेवा निःशुल्क प्रदान की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी नागरिक आर्थिक कारणों से आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि इन सेवाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें, प्रशिक्षित तकनीशियन और अनुभवी चिकित्सा कर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, टेलीमेडिसिन और स्वास्थ्य शिविर जैसी सुविधाओं पर भी तेजी से काम कर रही है।

पहले परीक्षा दे चुके अभ्यर्थियों को देना होगा ब्यौरा

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जा रही सीईटी की परीक्षा को लेकर आवेदन करने वाले युवा आए दिन नई-नई गलतियां कर रहे हैं। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा स्थापित किए गए हेल्प डेस्क के सामने आ रही इन खामियों को दूर किया जा रहा है। हरियाणा में इससे पहले वर्ष 2022 में सीईटी का आयोजन किया गया था। बहुत से युवा ऐसे हैं जिन्होंने उस समय पंजीकरण करवाया था। सरकार द्वारा चलाई गई योजना के तहत प्रदेश में इस तरह की परीक्षाओं के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन ही मान्य है। इसके बावजूद बहुत से युवा गलतियां कर रहे हैं। आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने जारी जानकारी में बताया कि आयोग के संज्ञान में आया है कि सीईटी 2022 के कुछ अभ्यर्थी सीईटी 2025 के लिए नए रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। वे सभी अभ्यर्थी जिन्होंने वर्ष 2022 के सीईटी परीक्षा में भाग लिया था, वे सभी अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन करते समय 2022 सीईटी डिटेल पूछे जाने पर अवश्य भरें। पुरानी परीक्षा के संबंध में ब्यौरा नहीं देने वाले अभ्यर्थियों के रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिए जाएंगे।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की नीतियों से हर वर्ग खुश, राजनीति में कार्यकर्ता सबसे अहमः कुलदीप बिश्नोई

रोहतक। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हिसार के पूर्व लोकसभा सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने अनेक जनहित में योजनाएं लागू की है और आज हर वर्ग सरकार से पूरी तरह से खुश है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विश्व गुरू बनने की और अग्रसर है। भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई गढ़ी सांपला किलोई हल्के के गांव चमारियां में संदीप हुड्डा के आवास पर पहुंचे और पुराने कार्यकर्ताओं का कुशलक्षेम जाना। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों की भी समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्त्ता ही पार्टी की रीढ़ की हड्डी होते है और राजनीति में असल नई ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत भी कार्यकर्ता ही होते है। उन्होंने कहा कि रोहतक जिले के साथ उनका पुराना लगाव है और वह हमेशा कार्यकर्त्ताओं के साथ है। साथ ही कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल ने हरियाणा को विकास की नई ऊचांईयों पर ले जाने का काम किया है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आज भी प्रदेश की जनता चौधरी भजनालाल द्वारा किए गए विकास कार्यो को याद करती है, जोकि अपने आप में एक मिशाल है। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्त्ताओं द्वारा कुलदीप बिश्नोई का जोरदार स्वागत भी किया गया।

रेवाड़ी में झुग्गियों पर चला पीला पंजा

रेवाड़ी। रेवाड़ी के सेक्टर तीन में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकारण (एचएसवीपी) की टीम ने अवैध कब्जों को लेकर बुलडोजर चलाया। बुलडोजर ने वहां पर बनाई गई अवैध झुग्गियों को तोड़कर हटा दिया। जिस कारण वहां रहने वाले लोगों में भगदड़ मच गई। झुग्गी वालों का आरोप है कि उन्हें सामान हटाने के लिए उचित समय नहीं दिया गया। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकारण (एचएसवीपी) की टीम जैसे ही सैक्टर तीन स्थित झुग्गियों को तोड़ने पहुंची वहां पर रहने वाले लोगों में भगदड़ मच गई। लोगों ने भाग-भाग कर अपना सामान निकाला। कुछ ही समय बाद सामान को हटाते हुए जमीन को खाली करवा दिया गया। झुग्गी में रहने वाली महिला ने बताया कि केवल एक दिन के नोटिस पर अफसरों ने सामान तोड़ दिया। उन्होंने दो-तीन दिन का समय उनसे मांगा था लेकिन टीम अचानक से पहुंच गई और सारा घरेलू सामान तोड़ दिया। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकारण (एचएसवीपी) के एसडीओ ने बताया कि झुग्गी वालों को अवैध कब्जा हटाने को लेकर कई बार समझाया जा चुका है लेकिन वे नहीं माने तो मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी है।

मुख्यमंत्री सैनी की अध्यक्षता में एचपीपीसी की बैठक

1640 करोड़ से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट और खरीद को मिली मंजूर

- शिक्षा और विकास के कई बड़े प्रोजेक्टों को मिली मंजूरी
- शहरों में सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का विकास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज आयोजित उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (डीएचपीपीसी) और हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में लगभग 1640 करोड़ रुपये से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट और विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। विभिन्न बोलीदाताओं से बातचीत के बाद लगभग 61 करोड़ रुपये की बचत भी की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, डॉ. अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, श्रुति चौधरी, राज्य मंत्री राजेश नागर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। सरकार ने गांवों में स्वच्छता व्यवस्था को

मजबूत करने के लिए महाग्रामों तथा 7500 से अधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 298 हॉपर टिपर डंपर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, जिसकी लागत लगभग 19 करोड़ रुपये है। पंचायतें इससे कचरा प्रबंधन बेहतर तरीके से कर सकेंगी। ग्रामीण युवाओं के लिए पुस्तकों की खरीद को भी मंजूरी दी गई है, जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए टॉप प्रकाशकों की किताबें शामिल हैं। साथ ही, ई-लाइब्रेरी के लिए कंप्यूटर, वाईफाई, सीसीटीवी और ग्राम सचिवों के लिए 4500 लैपटॉप भी खरीदे जाएंगे, जिन पर लगभग 31.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मंडी डबवाली में लगभग 11 करोड़ की लागत से नया राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनाया जाएगा। क्लस्टर स्कूलों के लिए 1415 कंप्यूटर खरीदने को 6.79 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। गुरुग्राम में जिला परिषद विकास भवन के निर्माण के लिए भी लगभग 61 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। दादरी-बौंद, दादरी-चिड़या और असंध सिरसल सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 78 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। अंबाला कैंट के सिविल अस्पताल का निर्माण कार्य भी जारी रहेगा। मृदा जांच प्रयोगशालाओं के लिए 8 करोड़ रुपए की जांच किट और शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज के लिए 12 करोड़ रुपए की विशेष मरम्मत भी मंजूर हुई। गुरुग्राम और फरीदाबाद में सीसीटीवी आधारित सार्वजनिक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन प्रणाली के चरण-2 को 110 करोड़ रुपये की लागत से लागू किया जाएगा। इसके तहत 2700 कैमरे लगाए जाएंगे। गुरुग्राम में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सबस्टेशन के निर्माण को भी मंजूरी मिली है। पलवल, रेवाड़ी सहित कई जगहों पर जलापूर्ति, सीवरेज, सड़क निर्माण और वर्षा जल निकासी कार्य भी स्वीकृत किए गए हैं।

गुरुग्राम विधानसभा की समस्याओं पर विधायक व निगम आयुक्त ने की बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र में सीवरेज, ड्रेनेज, सड़कों की स्थिति, सफाई, सौंदर्यकरण और जलभराव जैसी जन-सरोकार से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर निगम कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा और नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया मौजूद रहे। इस बैठक का उद्देश्य शहर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ और नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना रहा। बैठक में विधायक ने वार्ड अनुसार समस्याएं रखीं, जिनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को मौके पर ही निगमायुक्त द्वारा दिशा-निर्देश दिए गए। इनमें मुख्य रूप से द्वारका एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के आसपास बसी रिहायशी सोसायटियों द्वारा एमसीजी की सीवर लाईन में अवैध कनेक्शन जोड़ने के मामले पर कार्रवाई करने, दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र में अलग सीवरेज लाइन बिछाने की योजना पर काम करने, ड्रेनेज व सीवरेज कार्यों के दौरान सड़कों की मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की तय करने, गुरुग्राम की सभी प्रवेश सडक़ों को दुरुस्त करने और सुंदर प्रवेश द्वार बनाने की दिशा में काम करने, चौक-चौराहों का सौंदर्यकरण, सीआरपीएफ चौक से कामधेनु गौशाला तक नई सडक़ के निर्माण, ताकि शीतला माता रोड़ व पालम विहार रोड पर यातायात जाम की समस्या का समाधान करने के लिए कदम उठाने पर जोर दिया गया।

राज्यपाल ने तेलंगाना स्थापना दिवस पर राज्य के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर हैदराबाद में तेलंगाना विधानसभा के सामने गन पार्क स्थित अमरवीरुला स्तूपम (शहीद स्मारक) पर तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के लोगों को तेलंगाना स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने तेलंगाना विधानसभा के सामने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। उन्होंने तेलंगाना के गठन के लिए संघर्ष करने वाले वीरों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि इन शहीदों की कुर्बानी ने राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने राष्ट्र को एकजुट करने में राष्ट्रीय नेताओं के योगदान की भी सराहना की। दत्तात्रेय ने अपने संदेश में कहा, तेलंगाना की प्रगति यहाँ के लोगों की मेहनत, लगन और दृढ़

संकल्प का परिणाम है। मैं उन सभी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने इस राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने ईश्वर से तेलंगाना के लोगों के लिए सुख, समृद्धि, खुशहाल जीवन और राज्य की दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की की कामना की।

गन्नौर बनेगा विकास का मॉडल, जनता की सेवा प्राथमिकता

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर हलके के विधायक देवेंद्र कादियान जनसेवा और क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैंप कार्यालय में जनता दरबार लगाकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। यह संवाद और समाधान का सिलसिला पांच घंटे तक चला। विधायक के समक्ष जल संकट, मार्ग सुधार, बिजली आपूर्ति, प्रधानमंत्रीआवास योजना से जुड़ी परेशानियां तथा अन्य स्थानीय मुद्दे उठाए गए। विशेष रूप से गांव बेगा के नागरिकों ने बैलों की संख्या अधिक होने से हो रही समस्याओं को लेकर लिखित शिकायत सौंपी। कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे लोगों में संतोष की भावना देखने को मिली। विधायक कादियान ने आश्वस्त किया कि क्षेत्र में निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ विकास कार्य किए जाएंगे और जनता की हर समस्या को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निराकरण और सर्व समाज की

सेवा ही मेरी राजनीति की दिशा है। गन्नौर को विकास के मामले में प्रदेश का अग्रणी हलका बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिनका असर जल्द धरातल पर नजर आएगा। इस अवसर पर नेत्रपाल रापड़िया, जगबीर, मेहर सिंह, प्रदीप, भाना, बबलू पांची और संदीप पहल समेत अनेक स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 11 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं : मोहन लाल बड़ौली

- कांग्रेस का संगठन कैसा है सभी को मालूम है। कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है, कांग्रेस के लिए देश नहीं, बल्कि परिवार पहले है।

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा मोदी सरकार के 11 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। 11 सालों में देश ने विकास की नई उंचाईयों को छूआ है। भाजपा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रूपरेखा तैयार कर ली है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा अभियान चलाकर जन सेवा के कार्यों के साथ-साथ लोगों को मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णयों से भी अवगत कराएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए ये बातें कही।

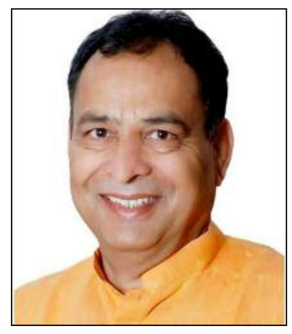

उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया और राहुल गांधी की सभी यात्राओं को फेल बताया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि चार और पांच जून को हरियाणा की पांच-पांच लोकसभाओं में प्रशिक्षण के कार्यक्रम होंगे। ''मोदी सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक'' के कार्यक्रमों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 8 जून को प्रेसवार्ता करेंगे और बदले हुए भारत के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि पूरे माह समाज सेवा के कार्यक्रम होंगे जिसके तहत लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। कांग्रेस को घेरते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान का गला घोटने का काम किया। आपातकाल लगाकर कांग्रेस ने लोगों के अधिकारों को छीना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के विरोध में अभियान की शुरुआत की जाएगी। डिजिटल, सेमिनार, मीडिया संवाद के जरिए आपातकाल के अनुभवों को लोगों के साथ साझा किया जाएगा। एक सवाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संगठन कैसा है सभी को मालूम है। कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है, कांग्रेस के लिए देश नहीं, बल्कि परिवार पहले है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय आतंकवाद चरम पर था और कांग्रेस की सरकार मूक दर्शक बनी रहती थी। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत और सशक्त हुआ है। अब भारत आतंकियों को गोली का जवाब गोले से देता है।

कांग्रेस पर अनिल विज का तंजः 'अपनी ही पार्टी में नेता प्रतिपक्ष तय नहीं कर पाए'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरे देश के मुद्दों पर अपनी राय रखती है और बड़ी-बड़ी समस्याओं पर बात करती है, लेकिन ये अपनी ही पार्टी के एक यूनिट में एक ही प्रदेश में अब तक नेता प्रतिपक्ष तय नहीं कर पाए, जोकि बहुत ही निराशाजनक बात है। विज चंडीगढ़ में मीडियाकर्मियों द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चंडीगढ़ दौरे और हरियाणा कांग्रेस की बैठक लेने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आठ महीने से अधिक हो गए हैं और कांग्रेस अभी तक अपना नेता प्रतिपक्ष तय नहीं कर पाई है, जबकि इस संबंध में कई बैठकें हो चुकी हैं और पार्टी आलाकमान को अवगत भी कराया जाता होगा। उन्होंने तंज कसते

हुए कहा कि शायद राहुल गांधी हरियाणा की इसी बैठक के लिए आ रहे होंगे। हरियाणा कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के बारे में पूछे जाने पर विज ने चुटकी लेते हुए कहा, राजनीति बड़ी अजीब चीज है। वहीं लड़ाते हैं और वहीं समझौते करवाते हैं।

हरियाणा सीएमओ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, राज नेहरू को मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

- साल 2016 में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए थे।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के प्रशासनिक ढांचे में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अगुवाई में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में अहम प्रशासनिक पुनर्गठन किया गया। इस बदलाव का सबसे प्रमुख चेहरा राज नेहरू बनकर उभरे, जिन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में नए विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है।

अब मुख्यमंत्री कार्यालय में दो ओएसडी कार्यरत होंगे। राज नेहरू को फ्यूचर डिपार्टमेंट, हायर एजुकेशन और यूथ इम्पावरमेंट तथा आंत्रप्रन्योरशिप जैसे तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार सौंपा गया है। राज नेहरू कोई नया नाम नहीं हैं। वह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बेहद करीबी माने जाते हैं। साल 2016 में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के

कुलपति के रूप में नियुक्त हुए थे। कौशल विकास के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव रहा है। इस पुनर्गठन में एक और अहम बदलाव हुआ है। चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजेश खुल्लर, जो वर्षों से मुख्यमंत्री कार्यालय में सबसे ताकतवर नौकरशाह माने जाते रहे हैं, उनके अधीन विभागों की संख्या में कटौती की गई है। अब उनके पास पहले के 21 की जगह 16 विभाग ही रहेंगे। खुल्लर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समय से इस पद पर बने हुए हैं और नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपना स्थान बरकरार रखा है। एचसीएस अधिकारी विवेक कालिया को जनसंवाद और सीएम विंडो जैसे जनसंपर्क और शिकायत निवारण से जुड़े अहम दायित्व सौंपे गए हैं। इसके अलावा, आईएएस अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता को 11 विभाग मिले हैं, जिनमें सिविल एविएशन, जेल, ट्रांसपोर्ट, पर्यावरण और मुख्यमंत्री घोषणाओं की क्रियान्वयन इकाई शामिल है। आईएएस साकेत कुमार को नौ विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास जैसे विभाग शामिल हैं। आईएएस यशपाल को आठ विभाग सौंपे गए हैं, जिनमें स्कूल शिक्षा, खेल और पर्यटन शामिल हैं। सुधांशु गौतम को छह विभाग मिले हैं, जबकि राकेश संधु को सीएम विंडो और शिकायत निवारण जैसे जिम्मेदारी वाले कार्य दिए गए हैं।

ईआरवी कार्यप्रणाली में सुधार, नशा मुक्ति और शराब ठेकों की नीलामी पर विशेष फोकस- कपूर

शत्रुजीत कपूर ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें उन्होंने हरियाणा पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल) की कार्य क्षमता में सुधार, शराब ठेकों की नीलामी प्रक्रिया के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, और नशा मुक्ति मॉडल को सभी जिलों में लागू करने पर जोर दिया। डीजीपी कपूर ने कहा कि ईआरवी हरियाणा पुलिस का ÷चेहरा÷ है, और इसका प्राथमिक दायित्व किसी भी घटना पर समय पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करना है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को ईआरवी का कार्य-ऑडिट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि सिस्टम में मौजूदा कमियों को दूर किया जा सके और संबंधित पुलिसकर्मी की जवाबदेही तय हो सके। उन्होंने सी-डैक (ष्ट-ष्ठ) की तकनीकी टीम की सहायता

से ईआरवी के कार्यों का तकनीकी ऑडिट कराने का भी सुझाव दिया। अधिकारियों को समय-समय पर ईआरवी का निरीक्षण कर प्रतिक्रिया समय और की गई कार्रवाई की समीक्षा करने को कहा गया। डीजीपी ने यह भी निर्देश दिया कि कंट्रोल रूम पर सूचना मिलते ही तत्काल सीलिंग प्लान बनाया जाए और उसे संबंधित थानों व इंटर-स्टेट चेकपोस्ट्स के साथ साझा किया जाए, ताकि अपराधियों को भागने से रोका जा सके। कपूर ने बताया कि हरियाणा पुलिस ने प्रदेश में सक्रिय लगभग 4900 दबंगों की सूची तैयार की है। उन्होंने ऐसे अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, जो आम जनता का शोषण, धमकी या अवैध वसूली कर रहे हैं। बैठक में आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ भी मौजूद थीं। उन्होंने बताया कि आगामी एक महीने में शराब के ठेकों की नीलामी प्रक्रिया जारी रहेगी, जिसमें भिवानी, हिसार, रोहतक और यमुनानगर जैसे चार जिलों में विशेष सतर्कता की आवश्यकता है। डीजीपी कपूर ने सभी पुलिस अधीक्षकों को ठेकेदारों के बीच विश्वास की भावना पैदा करने, नियमित नाकाबंदी और सघन निगरानी अभियान चलाने, तथा आबकारी विभाग के साथ समन्वय बनाकर शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। डीजीपी ने हिसार रेंज में नशा मुक्ति अभियान के लिए अपनाए गए मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार का मॉडल अन्य जिलों में भी लागू किया जाए।

रेवाड़ी में डीएलएसए ने किया गया 'साथी अभियान' का शुभारंभ

रेवाड़ी। रेवाड़ी में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 'साथी अभियान' की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद और उपेक्षित निराश्रित बच्चों तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो बच्चों की पहचान, आधार कार्ड पंजीकरण, प्रशिक्षण और अन्य सहायता सेवाओं के समन्वय का कार्य करेगी। सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि साथी अभियान का मुख्य उद्देश्य रेवाड़ी जिले के कमजोर और उपेक्षित निराश्रित बच्चों की कानूनी पहचान स्थापित करना है, ताकि वे अपने मौलिक अधिकारों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके अंतर्गत बच्चों के आधार कार्ड बनाए जाएंगे, उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा उन्हें विभिन्न सरकारी सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री छह जून को पलवल में करेंगे रैली को संबोधित,तैयारियों में जुटे खेल मंत्री

एजेंसी

पलवल। पलवल अनाज मंडी में छह जून को प्रस्तावित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विशाल जनसभा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने अनाज मंडी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खेल मंत्री गौरव गौतम के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला, एसडीएम ज्योति, डीएमसी मनीषा शर्मा, जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार, नगराधीश अप्रतिम सिंह सहित अन्य प्रशासनिक व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। गौरव गौतम ने मंच निर्माण, हेलीपैड की व्यवस्था, बेरिकेडिंग, साफ-सफाई, सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण

जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी सौंपे गए दायित्व को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से निभाएं, ताकि जनसभा का आयोजन सफल और भव्य हो। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री की इस जनसभा को लेकर आमजन में जबरदस्त उत्साह और उम्मीद का माहौल है। जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पलवल जिले के विकास को लेकर कई बड़ी घोषणाएं करने जा रहे हैं, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और विकास के नए द्वार खुलेंगे। खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पलवल को एक साफ, सुंदर और विकसित जिला बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकारी अमला जनसभा को सफल बनाने में पूरी तरह जुटा हुआ है और जनसभा के माध्यम से मुख्यमंत्री द्वारा पलवल के लिए की जाने वाली घोषणाओं से जिले के विकास को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद की जा रही है।

केंद्र ने इलेक्ट्रिक यात्री वाहन विनिर्माण योजना के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित किए हैं। यह योजना ईवी यात्री कार क्षेत्र में वैश्विक निर्माताओं से नए निवेश को सक्षम करेगी और भारत को ई-वाहनों के लिए वैश्विक विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने में मदद करेगी। भारी उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर विशेष ध्यान देते हुए यात्री कारों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी योजना को मंजूरी दी है। ये ऐतिहासिक पहल 2070 तक नेट जीरो हासिल करने, टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। मंत्रालय के मुताबिक इस योजना के तहत आवेदन आमंत्रित करने के लिए नोटिस जल्द ही जारी किया जाना प्रस्तावित है, जिसके तहत संभावित आवेदक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। यह योजना वैश्विक ईवी निर्माताओं से निवेश आकर्षित करने और भारत को ई-वाहनों के विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने में मदद करेगी। यह योजना भारत को ईवी के विनिर्माण के लिए वैश्विक मानचित्र पर लाने, रोजगार पैदा करने और 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद करेगी।

दो हजार रुपये के 6,181 करोड़ रुपये के नोट अभी भी जनता के पास : आरबीआई

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा कि 2000 रुपये के नोट बंद करने के दो साल बाद भी 6,181 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी जनता के पास यानी प्रचलन में हैं। रिजर्व बैंक ने 19 मई 2023 को दो हजार रुपये के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। ये 2000 रुपये के नोट अब भी वैध मुद्रा हैं। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 31 मई, 2025 को कारोबार बंद होने पर घटकर 6,181 करोड़ रुपये रह गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा, ''इस प्रकार 19 मई, 2023 तक प्रचलन में रहे 2000 रुपये के 98.26 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं।'' रिजर्व बैंक ने कहा कि 2000 रुपये के बैंक नोट कानूनी मुद्रा बने रहेंगे। रिजर्व बैंक के मुताबिक 2000 रुपये के इन बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। ये सुविधा अब केवल रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय 9 अक्टूबर, 2023 से लोगों तथा संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के जरिए 2000 रुपये के नोट को लोग अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए किसी भी आरबीआई कार्यालय में भेज सकते हैं।

भारत-ओमान व्यापार समझौते पर जल्द ही अच्छी खबर आएगीः पीयूष गोयल

नई दिल्ली। फ्रांस की यात्रा पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पेरिस में टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पैट्रिक पॉयने से यहां मुलाकात की। इस दौरान पैट्रिक पॉयने ने भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत आगे बढ़ रही है। इस पर कुछ अच्छी खबर 'बहुत जल्द' आ सकती है। केंद्रीय वाणिज्?य मंत्री ने सीईओ पैट्रिक पॉयने से मुलाकात के दौरान भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वह 3 जून को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की एक लघु-मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे।इसके बाद गोयल ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि ओमान एफटीए पर आपको बहुत जल्द ही अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसी नेताओं और कारोबारियों से बातचीत करने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। इस साल जनवरी में गोयल की मस्कट यात्रा के बाद वार्ता को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि ओमान भारत के लिए खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही एक अन्य जीसीसी सदस्य यूएई के साथ ऐसा ही समझौता है।

सर्राफा बाजार में तेजी से उछला सोना, चांदी भी एक लाख के स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का माहौल बना हुआ है। सोना आज 290 रुपये से लेकर 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,640 रुपये से लेकर 97,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,500 रुपये से लेकर 89,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

टेस्ला की भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए पीएम मोदी और मस्क मिलकर करेंगे काम - एरोल मस्क

एजेंसी

वाशिंगटन। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में टेस्ला का मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होगा। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि पीएम मोदी और मस्क कुछ ऐसा करेंगे, जो दोनों के लिए फायदेमंद होगा। राष्ट्रीय राजधानी में से बात करते हुए एरोल मस्क ने कहा कि टेस्ला को देश में लाने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को भारत के हितों को देखना होगा। 79 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी ने जोर देते हुए कहा, एलन को एक कंपनी के रूप में टेस्ला के हितों को देखना होगा। दोनों मिलकर कुछ ऐसा करेंगे, जो टेस्ला के साथ ही भारत के लिए भी सबसे अधिक लाभकारी हो। हालांकि, मैं यह एक निजी व्यक्ति के रूप में कह रहा हूं क्योंकि टेस्ला एक सार्वजनिक कंपनी है। एरोल मस्क ने आगे कहा कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में टेस्ला का मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होगा। उन्होंने आईएएनएस से

कहा, भारत में टेस्ला प्लांट होना ही चाहिए। भारत दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड के वैश्विक सलाहकार एरोल मस्क की भारत यात्रा, सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में देश की तेजी से बढ़ती प्रगति और ग्रीन एंड इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी में अग्रणी बनने की महत्वाकांक्षा को रेखांकित करती है।भारत ने ईवी अपनाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। देश का लक्ष्य 2030 तक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में 30 प्रतिशत, संयुक्त दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट में 80 प्रतिशत और कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में 70 प्रतिशत ईवी पेनेट्रेशन हासिल करना है। इस साल अप्रैल में, एलन मस्क और पीएम मोदी ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, ÷पीएम मोदी से बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के अंत में भारत आने का इंतजार कर रहा हूं। पीएम मोदी ने टेस्ला के सीईओ के साथ कई विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, एलन मस्क से बातचीत और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल हैं। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की।

कमजोर लिस्टिंग के बाद संभले एजिस वोपैक के शेयर, पहले दिन निवेशकों को 2.98 प्रतिशत का फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस के लिए स्टोरेज टर्मिनल को ऑपरेट करने वाली कंपनी एजिस वोपैक टर्मिनल्स लिमिटेड के शेयरों की आज शेयर बाजार में काफी निराशाजनक एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इस शेयर को हाथों-हाथ लिया, जिसके कारण कुछ ही देर में ये शेयर उछल कर इश्यू प्राइस से ऊपर चला गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 235 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयर 6.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 220 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए।स्टॉक मार्केट में बड़ी गिरावट के साथ लिस्ट होने के बाद खरीदारों ने कंपनी के शेयरों की लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण इस शेयर की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के बीच में यदा-कदा मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली भी होती रही। इसके बावजूद ये शेयर लगातार ऊपर चढ़ता गया। बाजार में हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पूरे दिन के कारोबार के बाद एजिस वोपैक टर्मिनल्स लिमिटेड के शेयर 7 रुपये की बढ़त के साथ 242 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन के कारोबार से ही 2.98 प्रतिशत का फायदा हो गया। एजिस वोपैक टर्मिनल्स लिमिटेड का 2,800 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद 28 मई को बंद हुआ था। ये आईपीओ 2.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ लॉन्च करने के पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर से भी 1,260 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ के तहत 11.91 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं।

जेएनएआरडीडीसी ने हैदराबाद में गैर-लौह पुनर्चक्रण हितधारकों के साथ विशेष संवादात्मक बैठक की मेजबानी की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पुनर्चक्रण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी) के पुनर्चक्रण संवर्धन प्रभाग ने हैदराबाद में अलौह पुनर्चक्रण हितधारकों और व्यापारियों के साथ एक केंद्रित संवादात्मक बैठक की। खान मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस कार्यशाला में तेलंगाना एल्युमीनियम यूटेंसिल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीएयूएमए), एल्युमीनियम एक्सट्रूडर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमएआई) और मैटेरियल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) सहित प्रमुख उद्योग निकायों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। जेएनएआरडीडीसी ने घरेलू जरूरतों के लिए तैयार एल्युमीनियम रिसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों और मिश्र धातु विकास में अपने हालिया शोध का प्रदर्शन किया गया। इस ओपन सत्र में रीसाइकिलर्स को अपनी तकनीकी, प्रशासनिक और विनियामक चुनौतियों पर खुलकर चर्चा करने का मंच प्रदान किया गया। सुनिश्चित होने की उम्मीद है। इस कार्यशाला का उद्देश्य पुनर्चक्रण से जुड़ी जमीनी चुनौतियों को समझने और पुनर्चक्रण क्षेत्र को आधुनिक तथा सशक्त

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के एक प्रतिनिधि ने भी उपस्थित लोगों को इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले प्रासंगिक गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के मार्गदर्शन में इस सहयोगात्मक दृष्टिकोण से भारत के धातु रीसाइक्लिंग उद्योग की दीर्घकालिक मजबूती, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बनाने में व्यावहारिक सहायता प्रदान करने के लिए पुनर्चक्रण करने वालों, व्यापारियों, सेवा प्रदाताओं सहित अलौह रीसाइक्लिंग हितधारकों के साथ सीधे जुड़ना था। इस सत्र का एक मुख्य आकर्षण पुनर्चक्रण उद्योग की परिवर्तनकारी क्षमता थी, जो प्राथमिक अयस्क क्रम उत्पादन के लिए आवश्यक ऊर्जा का केवल एक अंश ही खपत करता है।

देश का कोयला उत्पादन मई माह में 86.24 मीट्रिक टन

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत के कोयला उत्पादन और प्रेषण में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगातार वृद्धि देखी गई है। देश में मई, 2025 के दौरान कुल कोयला का उत्पादन 86.24 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में उत्पादित 83.96 मीट्रिक टन कोयला से अधिक है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि मई 2025 के दौरान देश में कुल कोयला उत्पादन 86.24 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में उत्पादित 83.96 मीट्रिक टन से अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक मई महीने के दौरान कैप्टिव/वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन 16.93 मीट्रिक टन (अनंतिम) रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 13.83 मीट्रिक टन से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक 31 मई, 2025 तक कोयला कंपनियों के

मौजूदा कोयला भंडार में 29.18 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 94.98 मीट्रिक टन की तुलना में 122.69 मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह वृद्धि देशभर में कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रमाण है। कोयला के उत?पादन में यह वृद्धि देश के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव/कमर्शियल खनन के बढ़ते योगदान को दर्शाती है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि यह मंत्रालय द्वारा इस क्षेत्र में निरंतर आपूर्ति और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय सतत विकास, कोयले की उपलब्धता में सुधार लाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोयला क्षेत्र सकारात्मक गति के साथ देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

2030 तक हर वर्ष 500 मिलियन यात्री भरेंगे उड़ान, देश स्पेस एविएशन कन्वर्जेंस में एक ग्लोबल लीडर : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल एविएशन इकोसिस्टम में एक विशाल बाजार के रूप में भारत की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि देश स्पेस एविएशन कन्वर्जेंस में एक ग्लोबल लीडर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) की 81वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और विश्व वायु परिवहन शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएटीएस) में पीएम मोदी ने विश्व स्तरीय हवाई अवसंरचना विकसित करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।उन्होंने चार दशक बाद भारत में आयोजित इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने इस

अवधि के दौरान भारत में हुए परिवर्तनकारी बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि आज का भारत पहले से कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उन्होंने ग्लोबल एविएशन इकोसिस्टम में भारत की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, देश न केवल एक विशाल बाजार के रूप में, बल्कि नीतिगत नेतृत्व, इनोवेशन और समावेशी विकास के प्रतीक के रूप में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में नागरिक उड्डयन में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है। उन्होंने उड़ान योजना की सफलता पर जोर देते हुए इसे भारतीय नागरिक उड्डयन इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय बताया। उन्होंने कहा, उड़ान योजना से 15 मिलियन से अधिक यात्रियों को सस्ती हवाई यात्रा का लाभ मिला है, जिससे कई नागरिक पहली बार हवाई यात्रा करने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत की एयरलाइंस लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल कर रही है, जिसमें 240 मिलियन यात्री सालाना उड़ान भर रहे हैं, जो दुनिया भर के अधिकांश देशों की कुल आबादी से अधिक है। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2030 तक यह संख्या 500 मिलियन यात्रियों तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में सालाना 3.5 मिलियन मीट्रिक टन माल हवाई मार्ग से ले जाया जाता है और इस दशक के अंत तक यह मात्रा बढ़कर 10 मिलियन मीट्रिक टन हो जाएगी।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक 4 जून से, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

एजेंसी

नई दिल्ली।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई दर के चार फीसदी के औसत लक्ष्य से नीचे बने रहने के कारण लगातार तीसरी बार नीतिगत ब्याज दर में 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच विकास को बढ़ावा दिया जा सके। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक 4 जून, रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होगी। इस बैठक के फैसलों का ऐलान 6 जून, आरबीआई गवर्नर करेंगे। जानकारों का कहना है कि आरबीआई इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों को मानना है कि मौजूदा समय में महंगाई दर संतुलित स्थिति में है। रिजर्व बैंक ने तरलता की स्थिति को कई उपायों के माध्यम से काफी सहज बना दिया है। ऐसे में उम्मीद है कि आरबीआई 4-6 जून तक चलने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती का निर्णय ले सकती है। इसके अलावा इस बैठक में आरबीआई अपनी विकास दर और महंगाई दर के अनुमान को भी संशोधित कर सकता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली और बीते वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम एमपीसी बैठक यानी इस साल फरवरी और अप्रैल में लगातार दो बार प्रमुख नीति गत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25-0.25 फीसदी की कटौती की, जिससे यह 6.50 फीसदी से घटकर 6 फीसदी पर आ गई है।

टेस्ला को भारत में इलेक्ट्रिक कार बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं: कुमारस्वामी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा कि वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) दिग्गज टेस्ला भारत में कारों के निर्माण में दिलचस्पी नहीं रखती है, लेकिन देश में शोरूम स्थापित करने की इच्छुक है। उन्होंने कहा कि मर्सिडीज बेंज, फॉक्सवैगन-स्कोडा, हुंडई की भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने में रूचि है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री ने यहां भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के लिए दिशा-निर्देशों के अनावरण की घोषणा करने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। कुमारस्वामी ने कहा कि मर्सिडीज बेंज, स्कोडा-फॉक्सवैगन, हुंडई और किआ सहित वैश्विक वाहन निर्माता कंपनियों ने भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण में रुचि दिखाई है। टेस्ला केवल

शोरूम शुरू करने में अधिक (रुचि रखते हैं)। वे भारत में विनिर्माण (शुरू) करने में रुचि नहीं रखते हैं। यह योजना ईवी यात्री कार सेगमेंट में वैश्विक निर्माताओं से नए निवेश को सक्षम करेगी और भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए वैश्विक विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देगी। एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा कि इन कंपनियों ने 'भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना' के संबंध में सरकार और उद्योग के बीच बातचीत के दौरान रुचि जताई है। योजना के बारे में जारी विस्तृत दिशा-निर्देश के बारे में उन्?होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमने भारत को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए वैश्विक केंद्र बनाने के लिए एक ऐतिहासिक ईवी विनिर्माण योजना शुरू की है। कुमारस्?वामी ने बताया कि 4,150 करोड़ रुपये के निवेश अधिदेश के साथ यह मेक इन इंडिया की दिशा में एक कदम एक स्वच्छ, मजबूत भविष्य के लिए है। इस अवसर पर भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी और मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. हनीफी कुरैशी भी मौजूद थे।

श्लॉस बैंगलोर की निराशाजनक लिस्टिंग, निवेशकों को हुआ मामूली मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। लीला ग्रुप के तहत लग्जरी होटल और रिसॉर्ट चेन चलाने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर के शेयरों की कमजोर लिस्टिंग के कारण आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराशा का सामना करना पड़ा। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली करके निवेशकों के नुकसान की भरपाई भी कर दी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 435 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इनकी एंट्री 6.55 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 406.50 रुपये के स्तर पर हुई। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 6.67 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 406 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। टॉक मार्केट में बड़ी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत करने वाले श्लॉस बैंगलोर के शेयर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में गिरकर 405 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। इस गिरावट के बाद इन शेयरों की लिवाली शुरू हो गई, जिसके कारण

इसकी चाल में तेजी आ गई। बीच-बीच में बिकवाली होने के बावजूद ये शेयर लगातार ऊपर चढ़ता गया। खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 438.90 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि, ये शेयर इस तेजी को कायम नहीं रख सका। आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण ये शेयर सिर्फ 55 पैसे की बढ़त के साथ 435.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार से सिर्फ 0.13 प्रतिशत का ही फायदा हो सका। श्लॉस बैंगलोर का 3,500 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 में से 28 में तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ 4.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

आईपीओ खुलने के पहले 23 मई को कंपनी ने एंकर बुक के जरिए भी 1,575 करोड़ रुपये जुटाने में सफलता हासिल की थी। आईपीओ के जरिए 5.75 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही प्रमोटर्स की ओर से 2.30 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं।

रुपया 16 पैसे मजबूत

एजेंसी

मुंबई । अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव बढ़ने से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 16 पैसे मजबूत होकर 85.40 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.56 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया एक पैसे बढ़कर 85.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का निचला स्तर रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से यह 85.31 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 85.56 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 16 पैसे मजबूत होकर 85.40 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

तार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स व निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोर रही थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने के कारण पहले आधे घंटे में ही शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले शेयर बाजार कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा। हालांकि आखिरी वक्त में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार दोबारा लाल निशान में गिर गया। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के दिन कारोबार के दौरान रियल्टी, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, हेल्थ केयर और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज हुई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 445.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,287 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,130 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,991 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 166 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,640 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,386 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,254 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.59 अंक की कमजोरी के साथ 81,214.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 20 मिनट में ही ये सूचकांक 796.75 अंक टूट कर 80,654.26 अंक तक गिर गया। इस बड़ी गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू कर दिया, जिसके कारण धीरे-धीरे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 800 अंक से अधिक की रिकवरी करके 23.25 अंक की मजबूती के साथ 81,474.26 अंक तक पहुंचने में सफल हुआ। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बाजार में दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स 77.26 अंक की कमजोरी के साथ 81,373.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिल्ली में लॉन्च हुई 'लेजेनजी टी10' टेनिस बॉल क्रिकेट लीग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को एक भव्य कार्यक्रम के तहत भारत की सबसे बड़ी टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 'लेजेनजी टी10' का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अनोखी पहल का उद्देश्य गली-मोहल्लों में छिपी क्रिकेट प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम की शोभा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज और लीग अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने बढ़ाई। उनके साथ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज हर्शल गिब्स, क्रिकेटर क्रिस्टोफर बॉबी मोफू, सह-संस्थापक मीनाक्षी अग्रवाल और लीग के संस्थापक एवं सीईओ चिरंजीव दुबे भी मंच पर उपस्थित रहे। इस मौके पर वेंकटेश प्रसाद ने कहा, 'हमने अक्सर गलियों में ऐसे युवाओं को खेलते देखा है, जिनमें असाधारण प्रतिभा होती है, लेकिन उन्हें सही मंच नहीं मिल पाता। लेजेनजी टी10 उनके लिए वही मंच है, जहां से वे अपने सपनों की उड़ान भर सकते हैं।' लीग के संस्थापक और सीईओ चिरंजीव दुबे ने कहा, 'हम चाहते हैं कि हर गली का खिलाड़ी स्टेडियम की रौशनी में, टीवी स्क्रीन पर दिखे। यही लेजेनजी टी10 का विज़न है।'लीग की सह-संस्थापक मीनाक्षी अग्रवाल ने कहा, यह केवल एक लीग नहीं बल्कि हजारों युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम है। हमें गर्व है कि हम इस यात्रा का हिस्सा हैं।

जी.एस. बाली मेमोरियल ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप सम्पन्न

धर्मशाला। विकास पुरुष स्वर्गीय जी.एस. बाली मेमोरियल ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 का समापन हो गया। तीन दिन तक चली इस चैंपियनशिप के सीनियर पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र की टीम विजेता और यूपी की टीम उपविजेता रही। सीनियर महिला वर्ग में यूपी की टीम विजेता और हरियाणा की टीम उपविजेता रही। जूनियर बॉयज वर्ग में गोवा की टीम विजेता और दिल्ली की टीम उपविजेता रही। जूनियर गर्ल्स की टीम में गोवा की टीम विजेता और महाराष्ट्र की टीम उपविजेता रही। चैंपियनशिप के समापन समारोह पर एसडीएम नगरोटा बगवां मुनीश शर्मा मुख्य अतिथि और राजकीय विद्यालय बड़ोह के प्रधानाचार्य नीरज शर्मा विशेष अतिथि रहे। टेनिस बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य ऋषि दिलवारिया भी इस विशेष मौके पर मौजूद रहे। मुख्य अतिथि एसडीएम नगरोटा बगवां मुनीष शर्मा ने सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए। प्रतियोगिता का आयोजन फेडरेशन ऑफ़ इंडिया और हिमाचल प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा नगरोटा बगवां के राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय में 31 मई से 2 जून तक किया गया। इस चैंपियनशिप का शुभारंभ 31 मई को पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने किया था। इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से आई हुई 28 टीमों ने भाग लिया। जिसमें 20 टीमें पुरुष वर्ग और 8 टीमें महिला वर्ग की रहीं।

हेनरिक क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी दी। क्लासेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए एक दुखद दिन है, क्योंकि मैं घोषणा कर रहा हूं कि मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हटने का फैसला लिया है। यह फैसला लेना मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने अपने और अपने परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, अब मैं अपने परिवार के साथ ज़्यादा समय बिता सकूंगा और यही मेरे इस फैसले का मुख्य कारण है। 33 वर्षीय क्लासेन ने पिछले साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था, ताकि वह सफेद गेंद क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने अपने करियर में दक्षिण अफ्रीका के लिए 60 वनडे, 58 टी20 और 4 टेस्ट मैच खेले। क्लासेन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेला था, जिसमें वे 7 गेंदों में केवल 3 रन बनाकर आउट हो गए थे। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल 2025: स्लो ओवर रेट के चलते श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के क्वालिफायर-2 मुकाबले में स्लो ओवर रेट के चलते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर जुर्माना लगाया गया है। यह मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया था। आईपीएल की आचार संहिता के तहत निर्धारित ओवर गति बनाए रखने में विफल रहने पर यह कार्रवाई की गई है। पंजाब किंग्स के लिए यह सीजन का दूसरा अपराध था, जिस कारण कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर या तो 6 लाख रुपये या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के लिए यह तीसरी बार था, जब टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे करने में असफल रही।

डी. गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 7वें राउंड में अर्जुन एरिगैसी को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

एजेंसी

स्टावेंगर। नॉर्वे शतरंज 2025 के सातवें राउंड में सभी बोर्ड्स पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौर की सबसे चर्चित भिड़ंत मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश और भारत के ही ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के बीच हुई।

दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत हासिल की। इससे पहले छठे राउंड में डी गुकेश ने और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की थी। अर्जुन ने ओपनिंग में शानदार शुरुआत करते हुए तेज आक्रामक चालों से गुकेश पर दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जबरदस्त डिफेंसिव कौशल दिखाते हुए खेल को जटिल एंडगेम तक पहुंचाया। समय की कमी में दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद जीत हासिल की। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फबियानो कारुआना ने चीनी ग्रैंडमास्टर और बर्थडे बॉय वे यी के खिलाफ शुरुआती बढ़त बनाई और लंबे एंडगेम में शानदार जीत दर्ज की।

दिन का आखिरी मुकाबला विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और हिकारु नाकामुरा के बीच खेला गया, जो क्लासिकल गेम में जल्दी ड्रॉ हो गया। हालांकि, अर्मागेडन गेम में कार्लसन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नॉर्वे विमेंस शतरंज: जु वेनजुन टॉप पर

विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जु वेनजुन ने सारा खादेम के खिलाफ क्लासिकल गेम में शानदार एंडगेम खेलते हुए जीत दर्ज की। दिन की दूसरी क्लासिकल जीत चीन की तिंगजी लेई को मिली, जिन्होंने वाइट पीसेज़ से भारत की वैशाली रमेशबाबू को मात दी। भारत की हम्पी कोनेरू और अन्ना मुझिचुक के बीच मुकाबला शांति से ड्रॉ रहा, जिसमें काफी पीस एक्सचेंज हुए। हालांकि, अर्मागेडन गेम में मुझिचुक ने बाज़ी मार ली और अतिरिक्त अंक अर्जित किए।

काशी की बेटी सुमेधा पाठक ने साउथ कोरिया में शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप में लहराया देश का परचम, गोल्ड पर साधा निशाना

एजेंसी

वाराणसी। साउथ कोरिया में चल रहे वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप में वाराणसी की बेटी शूटर सुमेधा पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम रोशन किया है। सुमेधा ने 10 मीटर एयर पिस्टल की सिंगल और टीम स्पर्धा में गोल्ड मेडल पर कब्जा किया, जबकि एक दिन पहले मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस जीत के साथ सुमेधा के कुल पदकों की संख्या 17 हो गई है। 10 मीटर एयर पिस्टल की सिंगल स्पर्धा में सुमेधा ने भारत की ही सृष्टि अरोड़ा को 0.3 पॉइंट से पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। सुमेधा ने कुल 235.2 अंक अर्जित किए, जबकि सृष्टि अरोड़ा ने 234.9 अंकों के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। इस स्पर्धा में हंगरी की क्रिस्टीना को 209.4 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल मिला।

सुमेधा पाठक, सृष्टि अरोड़ा और रुबीना फ्रांसिस की तिकड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल की टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने 1695-42ङ्ग अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि रिपब्लिक ऑफ कोरिया को 1659-25ङ्ग अंकों के साथ दूसरा और चीनी ताइपे को 1586-19X अंकों के साथ तीसरा स्थान मिला। इस स्पर्धा में भी सुमेधा ने सर्वाधिक अंक बटोरे। सुमेधा के पिता बृजेश पाठक ने साउथ कोरिया से फोन पर बताया कि उनकी बेटी और उनकी टीम ने विश्व रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीतकर भारत, उत्तर प्रदेश और वाराणसी का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि से वाराणसी में खुशी की लहर दौड़ गई है।

नोवाक जोकोविच ने नोरी को हराकर लगाया जीत का शतक, नडाल के क्लब में हुए शामिल

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन के तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ब्रिटेन के कैमरून नोरी को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसी के साथ उन्होंने रोलां गैरों में अपना 100वां मैच जीतकर राफेल नडाल के 'सेंचुरी क्लब' में जगह बना ली है।

नडाल के बाद सेंचुरी पूरी करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच रोलां गैरों में 100 मैच जीतने वाले केवल दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले राफा नडाल ने यहां 112 मैच जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। अब जोकोविच रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की ओर अग्रसर हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से भी आगे निकला रोलां गैरों रिकॉर्ड

जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपने करियर की सबसे ज्यादा 100 जीत दर्ज की हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनके नाम 99 जीत दर्ज हैं। हालांकि, उन्होंने मेलबर्न में रिकॉर्ड 10 बार खिताब जीता है, जबकि पेरिस में अब तक 3 खिताब अपने नाम किए हैं।

बिना सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच

इस साल जोकोविच का प्रदर्शन भले ही कुछ खास नहीं रहा हो, लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने करियर का 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता और अब फ्रेंच ओपन में एक भी सेट गंवाए बिना क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने नोरी के खिलाफ पहला सेट कुछ शुरुआती ब्रेक के बाद आसानी से जीता।

अब जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी टक्कर

तीसरे सेट में जोकोविच ने तीसरे गेम में नोरी की सर्विस ब्रेक कर दी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका सामना जर्मनी के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया' सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, सबके लिए नई शुरुआत है: सरबजोत सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली।देश की पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के शुभारंभ को लेकर देशभर में उत्साह है और ओलंपिक पदक विजेता सरबजोत सिंह इसे एक ऐतिहासिक कदम बता रहे हैं। उनका मानना है कि यह लीग न केवल शूटिंग को एक नया आयाम देगी, बल्कि खिलाड़ियों को वैश्विक अनुभव और आपसी साझेदारी का अवसर भी प्रदान करेगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत ने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। 20 नवंबर से 02 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित होने जा रही एसएलआई में पिस्टल (10रू 25रू), राइफल (10रू 50रू3क), और शॉटगन (ट्रैप व स्कीट) जैसे मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी। लीग के तहत फ्रेंचाइज़ी टीमें दो पूलों में बंटी होंगी, जहां लीग चरण के बाद नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे। खिलाड़ियों को चार श्रेणियों एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर/यूथ चैम्पियनशिप में वर्गीकृत किया जाएगा, जिससे युवा और अनुभवी प्रतिभाओं का संतुलन सुनिश्चित होगा। सरबजोत ने कहा, इतनी बड़ी पहल के पहले संस्करण का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि अनुभवों को साझा करने और वैश्विक स्तर के निशानेबाज़ों से सीखने का अनोखा अवसर है। वर्तमान में सरबजोत म्यूनिख में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहे हैं, जहां वह अपने पसंदीदा 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भाग लेंगे। पिछले साल इस स्पर्धा में सरबजोत ने स्वर्ण पदक जीता था। लीग के तेज और रोमांचक प्रारूप को लेकर सरबजोत ने कहा कि एसएलाई जैसे मंच से शूटिंग को लेकर युवा पीढ़ी में रुचि बढ़ेगी और यह खेल भारत में सही मायनों में पहचान पाएगा। यह दर्शकों के लिए भी एक नया अनुभव होगा। वहीं

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर उन्होंने कहा कि ÷मेरे लिए तकनीक के साथ-साथ मानसिक संतुलन भी जरूरी है। मैं हर मैच का आनंद लेना चाहता हूं और हर मौके से कुछ नया सीखना चाहता हूं। वहीं, युवा निशानेबाजों के लिए उन्होंने कहा कि वो खुद पर विश्वास रखें, कभी हार न मानें और अनुशासन व जुनून के साथ अभ्यास करते रहें।

भारत ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच हाई-स्कोरिंग मुकाबला ड्रॉ, बल्लेबाज़ों का चौथे दिन भी जलवा बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। कैंटरबरी में भारत ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच चार दिवसीय अभ्यास मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मुकाबले में लगातार चौथे दिन सोमवार को भी बल्लेबाज़ों का बोलबाला रहा, जिसमें दोनों टीमों के टॉप ऑर्डर ने रनों की बारिश कर दी।

इंग्लैंड लॉयंस की पारी में आखिरी विकेट की साझेदारी ने बढ़ाया स्कोर

मैच के चौथे दिन की शुरुआत इंग्लैंड लॉयंस की पहली पारी से हुई, जिसमें टीम ने भारत ए के 557 रन के जवाब में 587 रन बनाए। अंतिम विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई जिसने टीम के स्कोर को 30 रन की बढ़त दिला दी।

भारत ए की दूसरी पारी में तेज़ शुरुआत:दूसरी पारी में भारत ए की ओपनिंग जोड़ी ने तेज़ शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल और अभिमन्यु ईश्वरन दोनों ने पहले इनिंग की असफलता को पीछे छोड़ते हुए अर्धशतक जमाए। जायसवाल ने केवल 60 गेंदों में 64 रन बनाए, जिनमें 80फीसदी रन बाउंड्री से आए। दोनों ने मिलकर 123 रन की ओपनिंग साझेदारी की, वो भी रन-रेट से तेज़ गति से।जायसवाल के आउट होने के बाद ईश्वरन ने थोड़ी सावधानी बरती, लेकिन ध्रुव जुरेल के क्रीज़ पर आते ही फिर से रनगति तेज़ हो गई। जुरेल ने पहली पारी में 94 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में भी 51 गेंदों पर अर्धशतक ठोका।

इसके बाद नितीश रेड्डी ने भी आक्रामक बल्लेबाज़ी की। पहली पारी में केवल 7 रन पर आउट होने वाले रेड्डी ने दूसरी पारी में 43 गेंदों में 51 रन जड़ दिए, जिसमें एक ओवर में डैन मौसली से 18 रन लिए। मैच की खास बात यह रही कि भारत ए के सभी टॉप-6 बल्लेबाज़ों ने दोनों पारियों में मिलाकर कम से कम एक अर्धशतक जरूर जमाया। इससे टीम का बल्लेबाज़ी क्रम पूरी तरह से संतुलित और मजबूत नज़र आया।

फतु चक क्रिकेट क्लब की टीम ने हरिपुर क्रिकेट क्लब को हराकर जीता फाइनल मुकाबला

एजेंसी

आरएस पुरा। आरएस पुरा के सीमावर्ती गांव हरिपुर में खेली जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला हरिपुर क्रिकेट क्लब एवं फतु चक क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फतु चक क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में 99 रन बनाए। वहीं 100 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरिपुर क्रिकेट क्लब की टीम की शुरुआत तो बेहतर रही लेकिन मध्य ओवरों में टीम के बल्लेबाज लगातार आउट होते गए। इसके बाद हरिपुर क्रिकेट क्लब की टीम 98 रनों पर ऑल आउट हो गई। बताते चलें कि क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन भाजपा नेता किशोर शर्मा की तरफ से करवाया जा रहा था ताकि क्षेत्र के युवाओं को नशा जैसी बुरी आदतों से दूर रखकर खेलों की तरफ आगे लाया जा सके। इस मौके पर भाजपा नेता किशोर शर्मा ने विजेता तथा उपविजेता टीम को ट्रॉफी एवं खेल सामग्री देकर सम्मानित किया और कहा कि आने वाले दिनों में भी पंचायत में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा खेलों की तरफ आगे आ सकें। इस मौके पर किशोर शर्मा ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि पंचायत में खेल मैदान बनाया जाए ताकि युवाओं को खेलों में हिस्सा लेने का मौका मिल सके। उन्होंने क्रिकेट प्रतियोगिता को सफल बनाने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। इस मौके पर भूषण कुमार, जनक राज सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रग्बी प्रीमियर लीग: पहले सीजन के लिए चेन्नई बुल्स ने टीम एवं जर्सी का किया अनावरण

एजेंसी

चेन्नई। भारत में पहली बार आयोजित होने जा रही रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के उद्घाटन सत्र से पहले चेन्नई बुल्स फ्रेंचाइजी ने सोमवार को मैड्रास क्रिकेट क्लब में आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी आधिकारिक टीम और जर्सी का अनावरण किया।

इस कार्यक्रम में रग्बी इंडिया के कोषाध्यक्ष सेन्थिल वी. त्यागराजन, बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के अध्यक्ष और तमिलनाडु ओलंपिक संघ के महासचिव आधव अर्जुना, चेन्नई बुल्स के मालिक अक्षित शर्मा, टीम के मुख्य कोच और रग्बी 7s के दिग्गज बेन गोलिंग्स, तथा अभिनेता और पूर्व भारतीय रग्बी खिलाड़ी विनय राय शामिल हुए। चेन्नई बुल्स, भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समूह एविडसिस ग्रुप की स्पोर्ट्स शाखा एविड स्पोर्ट्स के स्वामित्व में है और आरपीएल की एकमात्र अंतरराष्ट्रीय

निवेश वाली टीम है, जो लीग में वैश्विक दृष्टिकोण लेकर आई है।टीम के उद्देश्यों पर ऑनर अक्षित शर्मा ने कहा कि चेन्नई बुल्स सिर्फ एक टीम नहीं, बल्कि भारत के खेल परिदृश्य को बदलने का एक आंदोलन है। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, उत्कृष्ट कोचिंग और गहरे फैन कनेक्शन के जरिए चेन्नई को रग्बी का केंद्र बनाना है। मुख्य कोच बेन गोलिंग्स ने कहा कि रग्बी 7s तेज़, कौशल-आधारित और अत्यंत रोमांचक खेल है। हमारा उद्देश्य टीम में तालमेल बनाना और मैदान पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।' रग्बी इंडिया के कोषाध्यक्ष सेन्थिल वी. त्यागराजन ने कहा, 'भारत में रग्बी की बड़ी फैन फॉलोइंग है और इसकी संभावनाएं असीमित हैं। ऋक्र जैसे मंच से इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। तमिलनाडु ओलंपिक संघ के महासचिव आधव अर्जुना ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भारत के ओलंपिक रग्बी सपनों को साकार करने के लिए ज़रूरी हैं। आरपीएल के माध्यम से लाखों भारतीयों तक यह खेल पहुंचेगा। अभिनेता और पूर्व भारतीय रग्बी खिलाड़ी विनय राय ने कहा कि रग्बी में समर्पण, टीमवर्क और लचीलापन ही सफलता की कुंजी हैं। चेन्नई बुल्स इन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाएगी। रग्बी प्रीमियर लीग का आयोजन 15 जून से 29 जून 2025 के बीच मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा, जिसमें कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी और उद्घाटन खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

चेन्नई बुल्स की टीम:

हैनेस एडलर, हाकोन ओएस, निकियास लोहे, टेरी कैनेडी, जोसेवा तालाकोलो, रातु सौतुरागा, जोक्विन पेल्लांदिनी, अलेक्जेंडर डेविस, वल्लभ पाटिल, शानवाज़ अहमद, विनायक हरिराज, मुहम्मद जसीम ईपी, विनय ए।

श्रीहरि नटराज ने 200मी. फ्रीस्टाइल में बनाया नया भारतीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली।ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने 20वीं सिंगापुर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' दर्ज किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पहले इससे 24 वर्षीय नटराज टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने सिंगापुर स्पोर्ट्स स्कूल में 1:48.66 सेकंड का समय निकाला। इसके साथ ही उन्होंने साजन प्रकाश के 2021 में बनाए गए 1:49.73 सेकंड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। बैकस्ट्रोक में विशेषज्ञता रखने वाले नटराज इससे पहले 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक भी जीत चुके हैं। तैराकी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड केवल नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप में बनाए गए समय को ही माना जाता है, जबकि अन्य प्रतियोगिताओं में बनाए गए समय को 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' कहा जाता है।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए यूपी योद्धा ने मजबूत किया स्क्वॉड, गुमान सिंह को 1.07 करोड़ में खरीदा

एजेंसी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन की नीलामी में यूपी योद्धा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को और मजबूत किया है। जीएमआर स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली इस फ्रेंचाइजी ने गुमान सिंह, महेंदर सिंह और ईरानी डिफेंडर मोहम्मदरेजा कबूदरहंगी जैसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं। नीलामी के पहले दिन, यूपी योद्धा ने स्टार रेडर गुमान सिंह को 1.0725 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि महेंदर सिंह को 20 लाख रुपये में फाइनल बिड मैच (एफबीएम) का इस्तेमाल करते हुए टीम में जोड़ा।दूसरे दिन, ईरान के डिफेंडर मोहम्मदरेजा कबूदरहंगी को भी एफबीएम के जरिए 20 लाख रुपये में दोबारा टीम में शामिल किया गया। मोहम्मदरेजा ने अब तक 23 पीकेएल मुकाबलों में 24 टैकल पॉइंट्स सहित कुल 28 अंक हासिल किए हैं, जो टीम की डिफेंस को और मजबूत करेंगे। इसके अलावा, कोरियन रेडर डोंग ग्योन ली (13.5 लाख), रोनक (9 लाख) और प्रणय विनय राणे (13 लाख) जैसे रणनीतिक खिलाड़ियों को भी टीम में जोड़ा गया है। टीम के कोर खिलाड़ियों में सुमित, भवानी राजपूत, साहुल कुमार, सुरेंदर गिल और आशीष सिंह शामिल हैं, जिन्हें एलिट रिटेंड प्लेयर (ईआरपी) सूची में बरकरार रखा गया। वहीं रिटेंड यंग प्लेयर (आरवाईपी) सूची में हितेश, गगन गौड़ा एचआर और शिवम चौधरी शामिल हैं। एग्जिस्टिंग न्यू यंग प्लेयर (एनवाईपी) सूची में जयेश विकास महाजन, गंगाराम, सचिन और केशव कुमार को जगह दी गई है। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, ÷हम नीलामी के परिणाम से बेहद संतुष्ट हैं। हमारी रणनीति साफ थी कि कोर ग्रुप को बनाए रखते हुए ऐसे खिलाड़ियों को शामिल करना जो टीम के संतुलन को मजबूत करें। गुमान सिंह और महेंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों को जोड़कर हमने अहम विभागों को और मज़बूत किया है।टीम के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, हमारी रणनीति कोर खिलाड़ियों को बनाए रखने की थी और साथ ही ऐसे नाम जोड़ने की जो टीम की फिलॉसफी के अनुरूप हों। गुमान की आक्रामकता, महेंदर और मोहम्मदरेजा की डिफेंस में भूमिका और डोंग ग्योन ली की बहुमुखी प्रतिभा हमारी टीम के लिए लाभकारी साबित होंगी। गुमान सिंह, मोहम्मदरेजा कबूदरहंगी, महेंदर सिंह, डोंग ग्योन ली, सुमित, आशीष सिंह, भवानी राजपूत, साहुल कुमार, सुरेंदर गिल, हितेश, गगन गौड़ा, शिवम चौधरी, जयेश विकास महाजन, गंगाराम, सचिन, केशव कुमार, जतिन, रोनक, प्रणय विनय राणे।

इंग्लैंड के खिलाफ जेसन होल्डर और आंद्रे रसेल की वेस्टइंडीज टी-20 टीम में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी 20 सीरीज के लिए देर रात अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में जेसन होल्डर और आंद्रे रसेल की वापसी हुई है। वहीं, निकोलस पूरन को आईपीएल के व्यस्त शेड्यूल के बाद आराम दिया गया हैयह सीरीज मंगलवार को द ओवल में समाप्त हो रही वनडे सीरीज के बाद खेली जाएगी। इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम आयरलैंड दौरे पर लौटेगी, जहां वे तीन और टी 20 मुकाबले खेलेंगे।

रसेल-होल्डर की वापसी, पूरन को आराम

जेसन होल्डर ने फरवरी 2024 में आखिरी बार टी20 मैच खेला था, जबकि रसेल ने नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ बारबाडोस में आखिरी बार मैदान संभाला था। दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। निकोलस पूरन ने आईपीएल के बाद आराम की मांग की थी, जिसे टीम मैनेजमेंट ने स्वीकार कर लिया है।

शाई होप होंगे नए कप्तान, पॉवेल को बरकरार रखा गया

शाई होप को टी 20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है, जिन्होंने रोवमैन पॉवेल की जगह ली है। पॉवेल ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार झेली

थी, लेकिन उन्हें टीम में बतौर खिलाड़ी शामिल रखा गया है।

शरफेन रदरफोर्ड और शिमरोन हेटमायर भी टीम में लौटे हैं, जबकि जस्टिन ग्रेव्स, शमार स्प्रिंगर और टेरेंस हाइंड्स को इस बार टीम में जगह नहीं मिली।

आयरलैंड सीरीज में कुछ बदलाव, नए चेहरे को मौका

आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए ब्रैंडन किंग को छुट्टी दी गई है, उनकी जगह कीसी कार्टी को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, नए टेस्ट कप्तान रोस्टन चेज इंग्लैंड सीरीज के बाद टीम से बाहर हो जाएंगे और उनकी जगह पहली बार जेड गूली को टीम में मौका मिला है।

टीम के कोच डैरेन सैमी, फ्लॉयड रीफर और रवि रामपॉल भी इंग्लैंड सीरीज के बाद बारबाडोस लौटेंगे, जहां 13 से 21 जून तक टेस्ट कैंप लगेगा। आयरलैंड सीरीज के लिए रयॉन ग्रिफिथ को कोचिंग की जिम्मेदारी दी गई है।

वेस्टइंडीज की इंग्लैंड के खिलाफ टी20 टीम:

शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, आंद्रे रसेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

आयरलैंड के खिलाफ टी 20 टीम:

शाई होप (कप्तान), कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, जेड गूली, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

खास बातें ऑयली
त्वचा के लिए

गर्मियों का प्रकोप शुरू हो चुका है। तन को सहलाती धूप अब पीड़ा देने लगी है। ये तपती धूप कहीं आपकी खूबसूरती को नुकसान न पहुंचा दे। क्योंकि गर्मियों में तैलीय ग्रंथियां अधिक सक्रिय होने व पसीना आने की समस्या बढ़ जाती है। तेल और पसीना त्वचा पर जमा होकर इसे बहुत तैलीय बना देते हैं। तैलीय त्वचा पर धूल-मिट्टी के कण जमा होने के कारण त्वचा संबंधी समस्या शुरू हो जाती है। इस मौसम में तैलीय त्वचा सबसे अधिक प्रभावित होती है। अगर आपकी त्वचा ऐसी ही है तो आप उसकी देखभाल कैसे करे, बता रही है सौंदर्य ।

1. त्वचा ऑयलफ्री रहे। इसके लिए कुदरती गुणों से युक्त ऑयलफ्री फेसवॉश से नियमित सफाई करे। कभी भी ग्लिसरीन युक्त सोप का प्रयोग न करें।
2. ऑयली त्वचा की क्लींजिंग अहम होती है। क्लींजिंग से त्वचा पर जमी धूल-मिट्टी, मेकअप, मृतकोष हट जाते हैं और त्वचा के छिद्र साफ हो जाते है। इस तरह आप ब्लैक

हेड्स जैसी समस्या से बची रह सकती है। हफ्ते में एक बार लाइट स्क्रब का इस्तेमाल करें।

3.चावल के आटे में पुदीने का अर्क तथा गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं। इसे हलके हाथों से गोलाई में घुमाते हुए चेहरे पर लगाएं। फिर धो लें।

5. अपने पर्स में गुलाब व लैवेंडर बेस वाला स्किन टॉनिक रखें। इसके अलावा वेट टिश्यू भी रखें। ताकि चेहरे पर जमा धूल-मिट्टी को हटा सकें।

6. रात को सोने से पहले त्वचा साफ करना न भूलें। इससे त्वचा पर मुंहासे व ब्लैक हेड्स नहीं बनेंगे।

7. ऑयली त्वचा पर एक्ने हों तो टी ट्री एंटी पिंपल जेल और जेल मॉयस्चराइजर का प्रयोग करें जो त्वचा में तेल ग्रंथियों के अतिरिक्त सिक्रीशन को कम करता है।

8. ऐसी त्वचा वालों को तनावमुक्त रहना चाहिए। क्योंकि तनाव ऑयली त्वचा को प्रभावित करता है। तनावमुक्त रहने के लिए आप योग तथा मेडिटेशन का सहारा ले सकती है।

9. त्वचा के सीबम ऑयल को नियंत्रित करने के लिए अधिक तेल-मसालेदार भोजन का त्याग करना जरूरी है।

10. तैलीय ग्रंथियों को संतुलित करने के लिए फाइबर युक्त भोजन लें। सुबह शाम एक-एक बोल सैलेड जरूर खाएं।

11. भोजन में विटामिन सी की मात्रा बढ़ाएं जैसे नीबू, संतरा और आंवला आदि का सेवन करें।

12. चाय-कॉफी का सेवन न करे। क्योंकि ये चीजें सेंट्रल नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित करती हैं।

गर्मियों को कहें बाय..

क्या झुलसा देने वाली गर्मी में भी सुंदर दिखना आसान है? क्या संभव है सूरज की तपिश में भी त्वचा को खूबसूरत और चमकदार बनाए रखना? क्या बचा जा सकता है सूरज से निकलने वाली तेज किरणों से होने वाली टैनिंग, रैशेज और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से? इन सभी सवालों का जवाब है हां ! इस मौसम आपकी त्वचा को दागदार न होने देंगी ये टिप्स..

गुलाब जल

गुलाब जल सूरज की किरणों से त्वचा को सुरक्षित रखने में मदद करता है, इसलिए अपनी मेकअप किट में इसे जरूर शामिल करें। रैशेज को दूरकर त्वचा को चमकदार बनाने के लिए गुलाब जल में बेबी पाउडर मिलाकर नियमित अंतराल में इसका प्रयोग त्वचा पर करती रहें। यह उन बैक्टीरिया को भी पनपने से रोकता है, जो चेहरे पर मुंहासे और ब्लैकहेड्स को जन्म देते हैं। यदि फेसपैक तैयार कर रही हैं तो पानी के बजाय गुलाब जल का प्रयोग करें। चंदन पाउडर और मुल्तानी मिंट्टी को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाने से एक सप्ताह में चेहरे की चमक को निखारा जा सकता है।

गर्मियों में टैनिंग की समस्या आम बात है, लेकिन बाहर जाकर होने वाले कामों को तो नहीं रोका जा सकता। इसलिए धूप से वापस घर पहुंचने पर चेहरे पर खंट्टा दही लगाएं। सूखने पर ठंडे पानी से साफ करें। नींबू और खीरे के रस को बराबर मात्रा में मिलाकर चेहरे पर पंद्रह मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से धोएं। दही के साथ एक चुटकी हल्दी मिलाकर चेहरे के अलावा दूसरे खुले अंगों पर लगाने के बाद गुनगुने पानी से धोएं। गर्मी में हाथों और पैरों का भी खास ख्याल रखने की जरूरत है। ऑलिव ऑयल, नींबू का रस और शक्कर को मिलाकर पेस्ट बनाने के बाद उसे हाथों पर लगाएं। पैरों के लिए गर्म पानी में नींबू का रस मिलाने के बाद उन्हें उसमें थोड़ी देर भीगने दें।

एक्सफॉलिएट

पसीना और धूल मिंट्टी चेहरे की त्वचा को बदरंग कर उसमें संक्रमण पैदा कर सकता है, इसलिए एक्सफॉलिएशन बहुत जरूरी है। इसके लिए हरे चने का पाउडर, हल्दी और दूध को मिलाकर पेस्ट बना लें। ठंडे पानी से शॉवर लेने के पहले इसका इस्तेमाल स्क्रब के रूप में करें। अंतिम शॉवर के बाद गुलाब जल लगाएं।

पसीना

कोशिश करें कि त्वचा हमेशा सूखी रहे। गंदगी चेहरे पर ही पसीने के साथ न सूखे, इसलिए नियमित अंतराल पर चेहरा पोछती रहें। नींबू और खीरे के रस को मिलाकर फ्रिज में जमा लें और फिर इन क्यूब्स को चेहरे पर मलें।

हेयर केयर

पसीना और सूरज की तपिश बालों को रूखा और बेजान बना देती है। इससे बचने के लिए जितना हो सके बालों को धोती रहें। माइल्ड शैंपू और अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल करें। चाहें तो इस घरेलू उपाय पर भी अमल कर सकती हैं। एक कप पानी में चाय की पलियां उबाल लें और ठंडा होने पर उसमें आधे नींबू का रस मिलाएं। शैंपू के बाद इस मिश्रण को बालों पर लगाएं। ठंडे पानी से साफ करें। यह बालों में चमक और उछाल पैदा करता है। इस मौसम में बालों को ड्रायर की मदद से सुखाने की कोशिश न करें।

फाउंडेशन

गर्मी के मौसम में जितना कम मेकअप किया जाए उतना ही फायदेमंद रहता है। यदि मेकअप कर ही रही हैं तो फाउंडेशन का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक करें, क्योंकि यह चेहरे के रोमछिद्र बंद कर देता है, जिससे मुंहासों की समस्या हो सकती है। आंतरिक खूबसूरती को निखारने के लिए जितना हो सके फलों और सलाद का सेवन करें।

पानी

गर्मियों के मौसम में जितना
पानी पिएं उतना ही बेहतर है। इस मौसम में पानी ही त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ चमकदार और कोमल बनाए रखता है। फलों के रस या दूसरे आर्टीफिशियल ड्रिंक्स इसकी भरपाई नहीं कर सकते।

स्वीमिंग

यदि स्वीमिंग करने का मन बना रही हैं तो पूल में उतरने से पहले पानी में मौजूद क्लोरीन से त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए लैवेंडर ऑयल और वैसलीन का मिश्रण बनाकर पूरे शरीर में लगाएं।

छुटकारा
चिपचिपे बालों से

बदलते मौसम का सबसे जल्दी असर बालों पर ही पड़ता है। इस मौसम में बालों में चिपचिपापन और तैलीयता ज्यादा नजर आती है। इसके लिए अपनाएं हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के बताए इन आसान उपायों को।

1. रुई के टुकड़े या कॉटन बोल को गुलाबजल में भिगोकर बालों की जड़ों में लगाएं। इससे उनकी चिकनाई कम होगी। इसके बाद शैंपू कर लें।

2. हार्ड पर्मिंग और हानिकारक केमिकल के प्रयोग से बालों को दूर रखें। यह सीजन किसी भी प्रकार के प्रयोग का नहीं है। इसलिए अपने बालों की घरेलू देखभाल करें। उनकी सफाई सही तरीके से करें।

3. मुलतानी मिट्‌टी में हलका गर्म पानी डाल कर पेस्ट बनाएं। फिर थोड़ा सा नीबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं। आधे घंटे बाद बाल धो लें।

4. 2 बड़े चम्मच दही, एक छोटा चम्मच शहद और एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर बालों में लगाएं। इससे बालों में नई जान आ जाएगी और वे मजबूत भी बनेंगे। इसके बाद नीबू के गुणों से युक्त शैंपू करें।

5. बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए प्रोटीन से भरपूर डाइट लें। प्रोटीन की कमी से बालों की रंगत फीकी पड़ने लगती है। वे बेजान और चमक रहित हो जाते है। इसलिए अपने आहार में मछली, अंडा, सोयाबीन, दालें और हरी सब्जियां पर्याप्त मात्रा में शामिल करें।

ऐसे निखारें अपना रंग
रूप

कुछ आसान से टिप्स जिन पर अमल करके आप अपने सौंदर्य को गर्मियों के दिनों में भी बरकरार रख सकती हैं

- गर्मियों के मौसम में आपका मेकअप देर तक टिका रहे, इसके लिए मेकअप करने से पहले चेहरे पर आइस क्यूब्स रगड़ें।
- आजकल के मौसम में दिन में बहुत हल्का मेकअप करें। मेकअप से पहले एसपीएफ युक्त टिंटेड मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।
- चेहरा साफ करने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। इससे मुरझाई त्वचा में भी जान आ जाती है।
- सप्ताह में एक बार खासकर गर्मियों के दिनों में मक्के के आटे में दही मिलाकर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।
- त्वचा की सफाई करने के तुरंत बाद अगर आपको बाहर जाना है तो अल्ट्रावॉयलेट किरणों से बचने के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनब्लॉक जरूर लगाएं।
- घर से बाहर निकलने से पहले अच्छी क्वालिटी का मॉइश्चराइजर और सनब्लॉक अवश्य लगाएं। खीरे का रस भी अपने आपमें बहुत अच्छा मॉइश्चराइजर है। गर्मियों में प्रतिदिन खीरे का रस लगाने से चेहरे में चमक बनी रहती है।
- त्वचा में रौनक लाने के लिए दूध में आटे का चोकर मिलाकर कुछ देर तक हल्के हाथ से मसाज करें। हल्का सूखने पर साफ पानी से धो लें। फिर मॉइश्चराइजर लगा लें।
- महीने में एक बार फेशियल जरूर करवाएं। इससे रक्तसंचार सही होता है, जो त्वचा के कसाव को बनाए रखता है।
- चेहरे की सफाई के लिए साबुन के स्थान पर फेसवाश का प्रयोग करें।
- होंठों का रंग निखारने के लिए होंठों पर चुकंदर का रस लगाएं और करीब दस मिनट धो डालें।
- अगर आपके बाल बेजान और रूखे हैं तो सिर की अच्छी तरह ऑयल मसाज करने से फॉलिकल्स का रक्त संचार बढ़ता है।
- अगर आप स्वीमिंग की शौकीन हैं तो स्विमिंग करने से पहले शावर कैप जरूर लगाएं। कारण, स्विमिंग पूल के पानी में मौजूद क्लोरीन बालों के लिए नुकसानदेह होता है। बालों को सुरक्षित रखने के लिए थोड़े से जैतून के तेल में कुछ बूंद नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं।

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांसपेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।